सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh

RNI No :- DELHIN/2023/86499
DCP Licensing Number :
F.2 (P-2) Press/2023

www.newsparivahan.com

परिवहन विशेष

वर्ष 02, अंक 08, नई दिल्ली । गुरुवार, 21 मार्च 2024, मूल्य ₹ 5, पेज 8

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

आज का सुविचार

जीवन में विजेता कुछ अलग नहीं करते परंतु वह चीजों को ही अलग तरीके से करते हैं।

03 सद्गुरु जग्गी वासुदेव की दिल्ली के अस्पताल में हुई इमरजेंसी ब्रेन सर्जरी
06 जल है तो कल है'
08 आरबीआई ने लिया बड़ा फैसला, ग्राहकों को किया टेंशन फ्री

वीएलटीडी/ जीपीएस/ पैनिक बटन ट्रैकिंग सिस्टम को परिवहन विभाग शुरु भी करवाना चाहता है, बड़ा सवाल?

दिल्ली भारत की राजधानीः- परिवहन व्यवस्था जीरो, सार्वजनिक परिवहन सेवा में महिला सुरक्षा जीरो

संजय बाटला

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार और परिवहन विभाग की माने तो विश्व में सर्वाधिक विश्वसनीय, सुरक्षित और प्रभावी सार्वजनिक सवारी सेवा सिर्फ दिल्ली में उपलब्ध, पर सच्चाई कुछ और ही नजर आती हैं।

दिल्ली में जनता खास तौर कर महिलाए सच ना बोल दे की सफर कितना विश्वसनीय और सुरक्षित है इसके लिए कर दिया सार्वजानिक सवारी सेवा में महिला सफर फ्री, पर क्या सच छुप सकता हैं इस तरह से बड़ा सवाल?

महिला सुरक्षा के नाम पर दिल्ली में व्यवसायिक गतिविधियों में चलने वाले सभी सवारी वाहनों में पैनिक बटन का लगा होना अनिवार्य है पर इनका कार्य करना **दिल्ली परिवहन विभाग** के लिए होना अनिवार्य नही है, **अनिवार्य है पैनिक बटन का वाहन में लगा होना और उसके नाम पर परिवहन विभाग की 50 प्रतिशत हिस्सेदारी वाली कम्पनी डिम्ट्स के द्वारा जारी की गई**

फीस रसीद

परिवहन विभाग और उसके आला अधिकारी भली भांति जानते हैं की दिल्ली की सार्वजनिक सवारी वाहनों में उनके द्वारा लगवाए जा रहें और उनके नेवीगेशन के लिए ली जाने वाली फीस सिर्फ जनता, न्यायालयों, गृह मंत्रालय सचिव कमेटी को दिखाने के लिए है जब की यह है सिर्फ खिलोने की तरह जिनके द्वारा कोई कार्य नहीं होता।

अब सबसे मुख्य जानकारी जो आपकों पता होना अति आवश्यक है :- परिवहन विभाग ने पैनिक बटन/जीपीएस/ वीएलटीडी ट्रैकिंग

कंट्रोल सेंटर को बनाने के नाम पर सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय से मार्च-अप्रैल 2023 में अंदाजन 8 करोड़ रुपए प्राप्त किए थे पर उसके बावजूद आज मार्च 2024 तक भी उसे बनवाना शुरू नही करवाया। तो कहा गया यह पैसा और जब कंट्रोल सेंटर ही नहीं है तो वाहन मालिको से इसकी ट्रेकिंग के नाम पर लिया जाने वाला पैसा (फीस) कहा और किसकी जेब में, बड़ा सवाल?

ताजी विश्वस्त सूत्र के माध्यम से मिली जानकारी हेतु पता चला है की एनआईसी द्वारा इस कंट्रोल सेंटर को बनाने के लिए एमओयू साइन किया जा चुका है पर परिवहन विभाग अभी भी उस पर साइन करके शुरु करवाने की इच्छा नही रख रहा है और एमओयू साइन हुए बिना ना तो कंट्रोल सेंटर बनना शुरु होगा और ना ही महिला सुरक्षा के लिए वाहनों में अनिवार्य पैनिक बटन का खिलौने से कार्य में आना।

कितना महिला सुरक्षा के प्रति सजग और जागरूक है दिल्ली परिवहन विभाग और आम आदमी पार्टी दिल्ली सरकार।

फास्टैग से कट गया है डबल टोल टैक्स तो कहां शिकायत कर सकते हैं आप, ऐसे मिलेगा रिफंड

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। कार चलाने वाले हर शख्स को फास्टैग और इससे जुड़ी जानकारी जरूर होगी, क्योंकि भारत में चलने वाले सभी वाहनों में फास्टैग लगा होना जरूरी है.फास्टैग नहीं होने पर आपको दोगुना टोल टैक्स चुकाना होता है. यही वजह है कि लोग अपने फास्टैग को अपडेट रखते हैं.कई बार फास्टैग को लेकर लोगों को शिकायतें भी होती हैं, सोशल मीडिया पर ऐसे कई तरह के सवाल आपको दिख जाएंगे.एक शिकायत ये भी रहती है कि जब फास्टैग से दो बार पैसा कट जाए तो क्या कर सकते हैं और ये कैसे रिफंड मिलेगा.अगर कभी आपका भी डबल टोल टैक्स कट जाए तो आपको घबराने या फिर परेशान होने की जरूरत नहीं है. क्योंकि ये आपको वापस मिल जाएगा.इसके लिए आपको उस बैंक से संपर्क करना है, जिससे आपने फास्टैग बनवाया है. कस्टमर केयर पर कॉल करके आपको इसकी जानकारी देनी होगी. अगर डुप्लिकेट ट्रांजेक्शन हुआ है तो बैंक की तरफ से आपके फास्टैग अकाउंट में रिफंड डाल दिया जाता है।

18 अप्रैल तक रात में बंद रहेगी प्रगति मैदान टनल

दिल्ली वालों के लिए जरूरी खबर है। प्रगति मैदान टनल रोड 18 अप्रैल तक रात से समय बंद रहेगी। इसके चलते ट्रैफित पुलिस ने एक एडवाइजरी जारी की है। ट्रैफिक एडवाइजरी में बताया कि इस दौरान लोग वैकल्पिक रास्ते का इस्तेमाल करें। इसके अलावा तीन दिन ऐसा होगा जब प्रगति मैदान टनल रोड पूरे दिन बंद रहेगी।

नई दिल्ली। दिल्ली की प्रगति मैदान टनल 18 अप्रैल तक रात के समय बंद रहेगी। सुरंग को मरम्मत और रखरखाव काम के चलते बंद करने का फैसला लिया गया है। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने इसको लेकर एक एडवाइजरी जारी की है।

रात 12 बजे से सुबह 6 बजे तक बंद: इसके अलावा ट्रैफिक एडवाइजरी में बताया कि तीन दिन प्रगति मैदान सुरंग पूरे दिन बंद रहेगी। बता दें कि प्रगति मैदान की सुरंगों की मरम्मत और रखरखाव का काम आईटीपीओ प्रोजेक्ट डिवीजन, पीडब्ल्यूडी द्वारा किया जा रहा है। इसके कारण प्रगति मैदान सुरंग सड़क 18 अप्रैल तक रात 12 बजे से सुबह छह बजे तक बंद रहेगी।

इन तारीखों पर भी बंद रखने का फैसला: ट्रैफिक पुलिस ने बताया कि 24 मार्च, 31 मार्च और 7 अप्रैल (तीन रविवार) को पूरे दिन के लिए पूरी तरह से बंद रहेगा। इस समय तक लोगों को अपने गंतव्य तक जाने के लिए वैकल्पिक रास्ते के इस्तेमाल की सलाह दी गई है। प्रगति मैदान टनल बंद रहने के दौरान रिंग रोड, भैरों रोड और मथुरा रोड को वैकल्पिक मार्गों के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है।

ताज होटल के आसपास ट्रैफिक प्रभावित: एडवाइजरी में कहा गया कि लोगों से अनुरोध है कि यदि संभव हो तो उपरोक्त सड़कों से बचकर सहयोग करें और सार्वजनिक परिवहन का अधिकतम उपयोग करें। इसके अलावा 20 मार्च को दिल्ली के ताज होटल में एक कार्यक्रम के चलते होटल ताज पैलेस के आसपास यातायात प्रभावित रहेगा।

इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ़ इलेक्ट्रिक व्हीकल (आई फीवा) ने अपना पहला सेंटर आफ एक्सीलेंस (सी ओ इ) का किया उद्घाटन

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ़ इलेक्ट्रिक व्हीकल (आई फीवा) ने अपना पहला सेंटर आफ एक्सीलेंस (सी ओ इ) का उद्घाटन किया है। फेडरेशन के प्रेसिडेंट डॉ.राजीव मिश्रा जी ने प्रेस रिलीज में बताया इलेक्ट्रिक व्हीकल में लोगों को तैयार करने के लिए फेडरेशन ने अपना पहला सेंटर आफ एक्सीलेंस दिल्ली एनसीआर के नोएडा सेक्टर 73 में खोला।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में लगभग 40 से 50 इन्डस्ट्री के लोग मौजूद रहे, जिसमें प्रमुख रूप से मुंबई की कंपनी थाईस्टिक के अध्यक्ष श्री उमेश उन्नीकृष्णन जी और श्री शिप्रा कपूर, श्री दीपक वाधवा जी, श्री दिवेश गर्ग जी आदि मौजूद रहे।

प्रेस कांफ्रेंस के दौरान डॉ. एस के सरोज जी चेयरमैन ने यह बताया इस तरह का सेंटर आफ एक्सीलेंस भारत में ही नहीं, पूरे विश्व में खोले जाएंगे और सरकार अगर उन्हें सपोर्ट करती है तो लोगों को मुफ्त में इलेक्ट्रिक व्हीकल के ऊपर ट्रेनिंग प्रोवाइड करेंगे। आपको यह बता दें कि ट्रेनिंग में कोई भी शामिल हो सकता है आईटीआई डिप्लोमा इंजीनियर, रोड साइड मैकेनिक, रिसर्च एंड डेवलपमेंट और इंडस्ट्री के लोग, जो भी लोग अपना भविष्य इलेक्ट्रिक व्हीकल के क्षेत्र में ले जाना चाहते हैं उनके लिए यह सेंटर आफ एक्सीलेंस पूरी तरह एक मील का पत्थर साबित होगा। श्री उन्नीकृष्णन जी ने प्रेस रिलीज से बताया कि उन्होंने ई एस एस एल और एन एस डी सी के साथ मीटिंग की और सरकार ने भी पूरा विश्वास दिलाया कि वह इस तरह के सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस को पूरा सपोर्ट करती है और हर तरीके का सहयोग भी करेगी डॉ. राजीव मिश्रा नेशनल प्रेसिडेंट ऑफ इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ़ इलेक्ट्रिक व्हीकल संगठन ने भी बताया कि अब तक इंडस्ट्री में 500 मेंबर आई फीवा के पूरे हो चुके हैं और यह सारे मेंबर्स अपने एम्पलाइज की ट्रेनिंग और चाहे तो सेंटर एक्सीलेंस से किसी भी तरीके से जुड़ सकते हैं। शिप्रा कपूर जी ने यही बताया यह सेंटर आफ एक्सीलेंस अब देश की जरूरत बन गया है ई वी एक नया क्षेत्र है जहां पर लोगों को बहुत कम नॉलेज है और फेडरेशन का यह काम बहुत ही सराहनी है और अपेक्षा करती है कि इस तरह के केंद्र पूरे भारत में हर जगह पर उपलब्ध होगा भविष्य में इस तरह के सेंटर्स के फ्रेंचाइजी भी ओपन करेगा। ट्रेन द ट्रेनर प्रोग्राम में चलाएगा और जो भी लोग इसमें ट्रेनिंग देना चाहते हैं अपना भविष्य बनाना चाहते हैं बैटरी टेक्नोलॉजी के ऊपर, वी एम एस के ऊपर, मोटर्स के ऊपर और इलेक्ट्रिक व्हीकल टू व्हीलर थ्री व्हीलर ई रिक्शा फोर व्हीलर हर तरह के सेगमेंट में उनको इस फील्ड में एक्सपर्ट बनाया जाएगा।

दिल्ली ट्रैफिक पुलिस का कमाल!

ग्रीन कॉरिडोर से 16 KM दूरी 18 मिनट में तय कर अस्पताल पहुंचाया लिवर

दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने अनोखा काम किया है। एक लीवर को द्वारका के एक अस्पताल तक पहुंचाने के लिए 16 किलोमीटर लंबा ग्रीन कॉरिडोर बनाया। कैडवेरिक आर्गन (लिवर) ले जाने वाली एम्बुलेंस के सुचारू और तेज़ परिवहन के लिए कॉरिडोर पर 35 यातायात कर्मियों को तैनात किया गया था। खास बात है कि दिल्ली यातायात पुलिस ने इस साल अब तक आठ बार ग्रीन कॉरिडोर बनाए है

नई दिल्ली। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने चंडीगढ़ से आईजीआई एयरपोर्ट पर पहुंचे एक लीवर को द्वारका के एक अस्पताल तक पहुंचाने के लिए 16 किलोमीटर लंबा ग्रीन कॉरिडोर बनाया। दिल्ली यातायात पुलिस अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी।

18 मिनट में 16KM दूरी पूरी की

दिल्ली पुलिस यातायात स्पेशल सीपी एचजीएस धारिवाल ने बताया कि लीवर को मंगलवार दोपहर करीब डेढ़ बजे चंडीगढ़ से आईजीआई एयरपोर्ट पर लाया गया। 16 किलोमीटर लंबे कॉरिडोर के माध्यम से 18 मिनट में सफर तय कर द्वारका के आकाश हेल्थकेयर सुपर स्पेशलिटी अस्पताल पहुंचा दिया गया।

कॉरिडोर पर 35 पुलिसकर्मी तैनात

अधिकारी ने कहा कि ग्रीन कॉरिडोर के माध्यम से कैडवेरिक आर्गन (लिवर) ले जाने वाली एम्बुलेंस के सुचारू और तेज़ परिवहन के लिए कॉरिडोर पर 35 यातायात कर्मियों को तैनात किया गया था। पुलिस के अनुसार, अस्पताल ने उन्हें बताया था कि चूंकि अंग को नाजुक ढंग से संभालने की आवश्यकता होगी।

इसलिए इसे लगभग 15 किलोग्राम वजन के एक सीलबंद बक्से में ले जाया जाएगा। अस्पताल ने पुलिस से यह सुनिश्चित करने का अनुरोध किया था कि अंग एक्स-रे के संपर्क में न आए। दिल्ली यातायात पुलिस ने इस साल अब तक आठ बार ग्रीन कॉरिडोर बनाए है और पिछले वर्ष 2023 में 24 ग्रीन कॉरिडोर बनाए थे।

टेंपल्स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट (पंजीकृत)

TOLWA

website : www.tolwa.in
Email : tolwadelhi@gmail.com
bathlasanjaybathla@gmail.com

रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम -डीएल - 0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/एनजीओ/0303274/25-01-2022 दर्पण

रजिस्टर्ड कार्यालय :- 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए -4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063
कॉरपोरेट कार्यालय :- 529, समयपुर, मेंन बवाना रोड, नियर बैंक ऑफ़ बड़ौदा दिल्ली 110042

प्रतिपक्ष के नेता राजा इकबाल सिंह ने अपने प्रेस वक्तव्य में कहा कि आम आदमी पार्टी के नेता ही दिल्ली में अवैध पार्किंग चलवा रहे हैं।

दिल्ली में बेखौफ जनता से लूट में चल रही अवैध पार्किंग पर बीजेपी का आप पर तंज:, पार्किंग माफिया को समझने में मेयर को लग गये 400 दिन!

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में चल रही अवैध पार्किंग साइट्स को लेकर प्रदेश भारतीय जनता पार्टी नेताओं ने आम आदमी पार्टी पर तंज कसा है। प्रदेश बीजेपी के प्रवक्ता प्रवीण शंकर कपूर ने बुधवार को एक प्रेस वक्तव्य में कहा कि यह आश्चर्य की बात है कि मेयर के रूप में अपने कार्यकाल के संभावित अंत से कुछ दिन पहले शैली ओबेरॉय को एहसास हुआ है कि शहर भर में अवैध पार्किंग चल रही हैं। वहीं **दिल्ली नगर निगम में प्रतिपक्ष के नेता राजा इकबाल सिंह ने अपने प्रेस वक्तव्य में कहा कि आम आदमी पार्टी के नेता ही दिल्ली में अवैध पार्किंग चलवा रहे हैं।** जिसकी वजह से पार्किंग माफिया के हौसले बुलंद हैं। बता दें कि मेयर शैली ओबरॉय ने ईमेल पर दिल्ली वालों से अवैध पार्किंग के बारे में जानकारी मांगी है। प्रवीण शंकर कपूर ने कहा कि **अजीब है कि दिल्ली नगर निगम में आम आदमी पार्टी की सत्ता के करीब 400 दिन बाद मेयर कह रही हैं कि दिल्ली में सिर्फ 403 वैध कार पार्किंग हैं, बाकी अवैध हैं।** मेयर ने एक ई-मेल आई.डी. जारी कर लोगों से उनके क्षेत्र में अवैध पार्किंग के बारे में जानकारी मांगी है, जो महज एक राजनीतिक ड्रामा है। उन्हें सार्वजनिक शिकायतों की आवश्यकता क्यों है, सबसे पहले उन्हें अपनी पार्टी के पार्षदों और विधायकों से अपने निर्वाचन क्षेत्रों में अवैध पार्किंगों की सूची देने और उनके खिलाफ कार्रवाई का आदेश देने के लिए कहना चाहिए। प्रवीण शंकर कपूर ने कहा कि पिछले महीने मैंने खुद मेयर और कमिश्नर को शिकायत के जरिए चांदनी चौक में टाउन हॉल के आसपास अवैध पार्किंग का मुद्दा उठाया था, लेकिन आज तक एमसीडी ने इस अवैध पार्किंग को रोकने के लिए कोई कार्रवाई नहीं की है। फिर दिल्ली वाले कैसे भरोसा करें कि उनके द्वारा ई.मेल पर की शिकायतों पर कार्रवाई करेंगी? दिल्ली नगर निगम में प्रतिपक्ष के नेता राजा इकबाल सिंह ने **आप नेताओं पर अवैध पार्किंग चलवाने का आरोप लगाते हुए कहा कि दिल्ली नगर निगम में आप पार्टी के 15 महीने के शासन के दौरान पार्किंग माफिया पूरी तरह से हावी हो गया है।** बीजेपी के निगम में 15 वर्ष के शासन के दौरान पार्किंग व्यवस्था सुचारू रूप से चलती थी। लेकिन **आप सरकार के निगम में 15 महीने के शासन में हर तरफ छोटी छोटी जगहों पर भी अवैध पार्किंग माफिया हावी है।** अभी कुछ दिन पहले ही बीजेपी दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने लोकल शॉपिंग सेंटर पर स्थित पार्किंग को बंद कराया है। राजा इकबाल सिंह ने कहा कि आप पार्टी से निगम की व्यवस्था नहीं संभल रही है। दिल्ली की मेयर साहिबा को सुचारू रूप से निगम चलाने के बारे में सोचना चाहिए। अपनी नाकामी का ठिकरा दूसरों पर थोपने से काम नहीं चलेगा।

एकाकी महिलाओं की व्यथा

डा. वरिंदर भाटिया

आप उन लोगों की लिस्ट तैयार करें जिनके साथ आपको हमेशा एक सहारा मिलता रहा है, जिनके पास आप अपना सुख-दुख बांट पाती हों या जिनके पास आप खुलकर हर बात बोल पाती हों। अकेलेपन की भले ही आप शिकार हों, लेकिन यह हमेशा खुद सोचें कि आपको जहां तक हो सके, सोशल बनना है। इसके लिए आप खुद को कहें कि आप इंट्रेस्टिंग हैं और आपको लोग पसंद करते हैं। कभी भी रिजेक्शन से डरे नहीं। एकाकी लोग सोशल वर्क करें, भले ही आप किसी भिखारी को अच्छा खाना दें या किसी बूढ़े पड़ोसी की मदद करें या कभी-कभी नर्सिंग होम जाकर सर्विस करें। आप अपनी तरफ से कुछ न कुछ अपने समाज के लिए काम करें। घर में खुद को बंद न रखें और जहां तक हो सके, आउटडोर रहें'

इस समय एकाकीपन से परेशान महिलाओं में आत्महत्याओं में वृद्धि की खबरें आ रही हैं। यह एक बड़ी सामाजिक समस्या है। कहते हैं कि हर कामयाब व्यक्ति के पीछे किसी महिला का हाथ होता है, परंतु एक अध्ययन से पता चला है कि महिलाओं पर यह बात लागू नहीं होती। कुछ समय पहले के एक अनुमान के मुताबिक भारत में तीन करोड़ 98 लाख महिलाएं एकल जीवन व्यतीत करने को बाध्य हैं जिनमें से आधी से अधिक गरीब हैं। एक गैर सरकारी संस्था द्वारा किए गए एक सर्वे के अनुसार इनमें विधवा महिलाओं की संख्या तीन करोड़ 41 लाख 62 हजार 051, तलाकशुदा एवं परित्यक्ता महिलाएं 22 लाख 86 हजार 788 तथा अविवाहित महिलाएं या 30 वर्ष या उससे अधिक उम्र की 33 लाख 17 हजार 719 महिलाएं हैं। इनमें से अधिकांश महिलाएं बिखरे घर, टूटे संबंधों, वैधव्य, बीमारी, बच्चों की परवरिश, अशिक्षा, सामाजिक बंधनों, शोषण, अत्याचार, दोहन, एकाकीपन, आजीविका कमाने आदि चुनौतियों से अकेली जूझ रही हैं।

कटु सत्य है कि अकेली और एकाकी महिलाओं का हमारे समाज में जीना दूभर है, चाहे वह कितनी ही समृद्ध और आत्मनिर्भर क्यों न हों। अविवाहित होकर एकाकी जीवन वाली महिलाएं भी बहुत संख्या में हैं। योग्य वर की तलाश में तो अनेक युवतियां प्रौढ़ हो जाती हैं। एकाकी जीवन महिलाओं के लिए बहुत मुश्किल है। कुछ महिलाएं समय रहते विवाह बंधन में नहीं बंध पाती। कुछ महिलाएं अपने कैरियर को संवारने में ही इतना व्यस्त रहती हैं कि उन्हें विवाह का ख्याल ही नहीं आता और जब इस बारे में वे सोचती हैं तब इतना वक्त निकल चुका होता है कि उन्हें मनपसंद वर की प्राप्ति नहीं होती और वे अविवाहित रहने को मजबूर हो जाती हैं। कुछ युवतियां पारिवारिक दायित्वों को निभाने में ही अपनी आधी से ज्यादा जिंदगी बिता देती हैं। आज युवा वर्ग की सोच में परिवर्तन आया है। हर कोई अपने ढंग से जिंदगी जीना चाहता है। स्त्रियों को अपनी कल्पना का साथी नहीं मिल पाता, घरवालों को अपनी बेटी के लिए योग्य वर नहीं मिल पाता, फलतः विवाह का वक्त निकलता जाता है और धीरे-धीरे उम्र खिसकने के साथ-साथ उन्हें मन मसोस कर रह जाना पड़ता है। कहीं-कहीं दहेज जैसी कुप्रथा भी आड़े आ जाती है। युवावस्था तो किसी तरह निकल जाती है, पर ढलती उम्र में यह अकेलापन खटकने लगता है। किसी भी काम में मन नहीं लगता। किसके लिए और क्यों जी रही हैं, यह सवाल बार-बार मन को कचोटता है। जिन भाई-बहनों और घर-परिवार की जिम्मेदारी को निभाने में वे अपनी जवानी अर्पित कर देती हैं, वही भाई-बहन

अपना स्थायित्व पा लेने के बाद उनसे दूर होने लगते हैं और यही अकेलापन उनके जीने की इच्छा को कम करता चला जाता है। कभी-कभी उन्हें लगता है कि यह जिंदगी बेमतलब, बेकार है। जिंदगी को वे व्यर्थ ही ढो रही हैं और यही अहसास उनके अंदर एक अवसाद-सा भर देता है और वे मानसिक रूप से बीमार होती चली जाती हैं।

वाटरलू विश्वविद्यालय में शेली बर्सिल द्वारा किए गए शोध के अनुसार महिलाएं पुरुषों की तुलना में अकेलेपन को अधिक व्यक्त करती हैं। ऐसा इसलिए नहीं है क्योंकि वे आमतौर पर पुरुषों की तुलना में अधिक अकेलेपन की प्रवृत्ति रखती हैं, बल्कि महिलाएं कम प्रतिकूल परिणामों के कारण ऐसा महसूस करने लगती हैं। पुरुष और महिलाएं दोनों अपने मस्तिष्क की संरचनाओं के बाद भावनाओं को व्यक्त करने के लिए अलग-अलग रणनीति अपनाते हैं, लेकिन पुरुष आम तौर पर महिलाओं की तुलना में अकेलेपन और नकारात्मकता की भावनाओं को छिपाने की अधिक कोशिश करते हैं। पुरुष इस भावना से पार पाने के लिए आम तौर पर अधिक लोगों से बात करने और अपना अलग ग्रुप बनाने की कोशिश करते हैं। दूसरी ओर महिलाएं ज्यादातर जान-पहचान वाले लोगों का ग्रुप बनाने पर विश्वास नहीं करती हैं, बल्कि वे अधिक गुणात्मक संबंधों का रुख करती हैं। इस प्रकार उन्हें पुरुषों की तुलना में अन्य लोगों से जुडने में अधिक समय लगता है। टूटे रिश्तों या विवाह के मामलों में, महिलाएं शुरुआत में अकेलापन महसूस करती हैं, जबकि पुरुषों को बाद में इसका अहसास होने लगता है। यह महिलाओं की भावनात्मक प्रकृति के कारण है, जबकि पुरुष अपनी भावनाओं को तब तक छिपाने की कोशिश करते हैं जब तक वे इसे दूर करने में सफल न हो जाएं। तन्हा रहना दुनिया का सबसे मुश्किल काम है, खासकर जब आप महिला हों। संयुक्त परिवार में भरोसा होता है कि कोई परेशानी आएगी, तो सब मिलकर उसका सामना करेंगे। लेकिन अकेले रहने पर समझ नहीं आता कि मुसीबत में किससे सहारा मांगें, किससे अपना सुख-दुख कहें। 2011 की जनगणना बताती है कि 2001 से 2011 के बीच सिंगल विमन की तादाद 5 करोड़ से बढक़र 7 करोड़ से अधिक हो गई, यानी इसमें तकरीबन 39 फीसदी का इजाफा हुआ। सरकारी डेटा से यह भी पता चलता है कि महिला प्रधान परिवारों की संख्या बढ़ रही है। 2011 की जनगणना के मुताबिक करीब 20 फीसदी घरों की मुखिया महिलाएं हैं।

एकाकीपन किसी के लिए भी जानलेवा साबित हो सकता है, बेहतर है कि इस एकाकीपन पर काबू पाने के लिए आप खुद को व्यस्त करें और अपने लिए एक एक्टिविटी लिस्ट बनाएं और जहां तक हो सके खुद को बिजी रखें। इसके लिए आप अपनी पसंद की चीजों को करने की ठानें और उन्हें पूरा करने की डेडलाइन डिसाइड करें। मसलन इंडोर या आउटडोर गेम, वर्कआउट, डांस क्लास, आर्ट क्लास, ट्रैवलिंग आदि। कोशिश करें कि आप मित्रों के बीच में हों। इसके लिए आप उन हॉबीज पर काम करें जिसमें बिगनर्स को ग्रुप में लिया जाता हो। इसके लिए आप हाइकिंग, पेंटिंग, फोटोग्राफी क्लास आदि ज्वाइन कर सकती हैं। आप उन लोगों की लिस्ट तैयार करें जिनके साथ आपको हमेशा एक सहारा मिलता रहा है, जिनके पास आप अपना सुख-दुख बांट पाती हों या जिनके पास आप खुलकर हर बात बोल पाती हों। अकेलेपन की भले ही आप शिकार हों, लेकिन यह हमेशा खुद सोचें कि आपको जहां तक हो सके सोशल बनना है। इसके लिए आप खुद को कहें कि आप इंट्रेस्टिंग हैं और आपको लोग पसंद करते हैं। कभी भी रिजेक्शन से डरे नहीं। एकाकी लोग सोशल वर्क करें, भले ही आप किसी भिखारी को अच्छा खाना दें या किसी बूढ़े पड़ोसी की मदद करें या कभी कभी नर्सिंग होम जाकर सर्विस करें। आप अपनी तरफ से कुछ न कुछ अपने समाज के लिए काम करें। घर में खुद को बंद न रखें और जहां तक हो सके आउटडोर रहें। ऐसा करने से आप अधिक बेहतर महसूस करेंगी और आपका मेंटल हेल्थ भी अच्छा रहेगा। एकाकी महिलाओं के लिए संपूर्ण सेहत के यही उपाय हैं।

डा. वरिंद्र भाटिया
कालेज प्रिंसीपल

घर में पूजा करते समय किस वास्तु दिशा की तरफ मुख करके बैठना चाहिए?

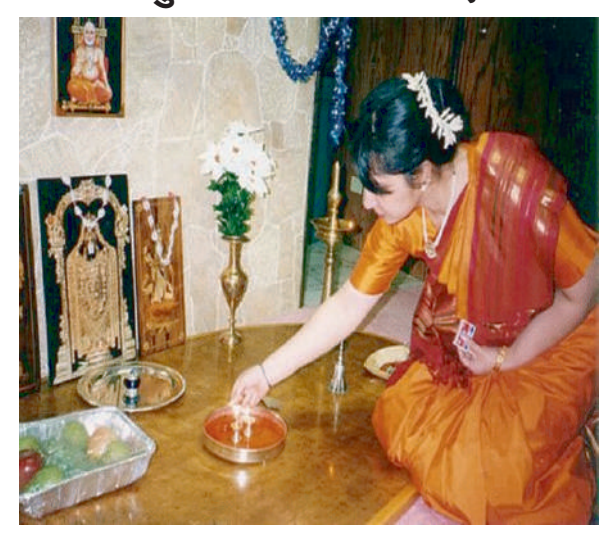

दिव्यांशी भदौरिया

हिंदू धर्म मे प्रतिदिन पूजा-पाठ करने का विशेष महत्व है। अगर आप भी पूजा करते हैं लेकिन गलत दिशा में बैठते हैं तो इसका काफी बुरा प्रभाव हो सकता है। घर में पूजा करते समय हमें सहीं दिशा में बैठना चाहिए। चलिए आपको बताते हैं घर में पूजा करते समय किस दिशा में बैठना चाहिए।

सनातन धर्म में रोजाना पूजा-पाठ करने का विशेष महत्व है। मंदिर में पूजा करते समय मुंह किस दिशा में होना चाहिए। हम सभ पूजा-पाठ तो करते हैं लेकिन सही दिशा में मुख न करके गलत दिशा में बैठने की वजह से अशुभ परिणाम देखने को मिलते हैं। चलिए आपको बताते हैं किस दिशा में मुख करके पूजा करनी चाहिए।

उत्तर दिशा है सबसे खास : वास्तु शास्त्र के अनुसार दिशाओं का हमारे जीवन में विशेष महत्व होता है, हर दिशा की अपनी एक उर्जा होती है। अगर आप घर में बैठकर पूजा करते हैं तो भगवान की प्रतिमा के उत्तर दिशा की ओर बैठकर पूजा करना सबसे श्रेष्ठ माना जाता है। उत्तर दिशा को इसलिए भी अच्छा माना जाता है क्योंकि यह देवताओं की दिशा भी होती है।

पूर्व दिशा में बैठने से सकारात्मक उर्जा प्राप्त होती है : अगर आप पूर्व दिशा की ओर घर में बैठ कर पूजा करते हैं। तो यह दिशा वास्तु शास्त्र में सबसे शुभ होती है। क्योंकि पूर्व दिशा सूर्योदय की दिशा होती है। सूर्य को ग्रहों का राजा भी कहा जाता हैं, इसी कारण पूर्व दिशा में पूजा करने से घर में सकारात्मक उर्जा का प्रवाह होती है।

पश्चिम दिशा की ओर मुख करना सही नहीं : घर में पूजा करते समय पश्चिम दिशा की तरफ मुख नहीं करते। इस दिशा में मुंह करके पूजा करने से उचित फल नहीं प्राप्त होता है।

अशुभ है दक्षिण दिशा : दक्षिण दिशा की बात करें तो यह दिशा पृतरों की मानी जाती है। इस दिशा में मुंह करके देवताओं की पूजा नहीं करनी चाहिए। यह दिशा अशुभ मानी जाती है।

दिन के हिसाब से देवी-देवताओं को अर्पित करें पान के पत्ते, खुल जाएंगे किस्मत के ताले

अनन्या मिश्रा

सनातन धर्म में सभी देवी-देवताओं की पूजा और मांगलिक कार्यों में पान के पत्ते का विशेष इस्तेमाल किया जाता है। मान्यता के मुताबिक भगवान की पूजा में विभिन्न प्रकार के भोग लगाए जाते हैं और साथ में पान चढ़ाने से देवी-देवता अधिक प्रसन्न होते हैं।

सनातन धर्म में सभी देवी-देवताओं की पूजा और मांगलिक कार्यों में पान के पत्ते का विशेष इस्तेमाल किया जाता है। मान्यता के मुताबिक भगवान की पूजा में विभिन्न प्रकार के भोग लगाए जाते हैं और साथ में पान चढ़ाने से देवी-देवता अधिक प्रसन्न होते हैं।

पूजा-अर्चना के साथ-साथ ज्योतिष उपायों में भी पान के पत्ते का उपयोग किया जाता है। बता दें कि देवी-देवता को दिन के अनुसार किस तरह से पान के पत्ते अर्पित करना चाहिए। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको इस बारे में विस्तार से जानकारी देने जा रहे हैं।

सोमवार के दिन

सोमवार का दिन भगवान शिव को समर्पित होता है। इस दिन भगवान शिव को बेलपत्र के साथ पान का पत्ते जरूर अर्पित करना चाहिए। इस उपाय को करने से जीवन में आने वाली परेशानियों का अंत होगा। साथ ही सभी कार्यों में सफलता मिल सकती है।

मंगलवार के दिन

मंगलवार का दिन हनुमान जी को समर्पित होता है। इस दिन पान के पत्ते में नारंगी सिंदूर रख हनुमान जी को अर्पित करने से व्यक्ति पर बजरंगबलि की कृपा बनी रहती है और मन शांत रहता है।

बुधवार के दिन

बुधवार के दिन पान के पत्ते के ऊपर कसैली रखकर भगवान श्रीगणेश को चढ़ाने से जातक को सुख-समृद्धि की प्राप्ति हो सकती है। इसके अलावा व्यक्ति को सभी तरह के विघ्नों से छुटकारा मिल सकता है।

गुरुवार के दिन

गुरुवार का दिन भगवान श्रीहरि विष्णु को समर्पित होता है। गुरुवार के दिन पान के पत्ते पर हल्दी का लेप लगाकर माला बना लें। फिर इसे भगवान श्रीहरि विष्णु को अर्पित कर दें। इससे आपके ऊपर हमेशा श्रीहरि की कृपा बनी रहेगी। साथ ही व्यक्ति को किसी तरह की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा।

शुक्रवार के दिन

शुक्रवार का दिन मां लक्ष्मी को समर्पित होता है। शुक्रवार के दिन मां लक्ष्मी के चरणों में पान का पत्ता चढ़ाने से व्यक्ति को धन हानि की समस्या का सामना नहीं करना पड़ता है। साथ ही व्यक्ति को समाज में मान-सम्मान की प्राप्ति होती है।

शनिवार के दिन

शनिवार के दिन शनिदेव को पान के पत्ते में काले तिल रखकर सरसों का तेल चढ़ाएं। इस उपाय को करने से शनिदोष से छुटकारा मिल सकता है। साथ ही सौभाग्य की प्राप्ति हो सकती है।

रविवार के दिन

रविवार के दिन पान के पत्ते से सूर्यदेव को अर्घ्य देना चाहिए। इससे व्यक्ति को समाज में मान-सम्मान की प्राप्ति होती है और रोगदोष से भी छुटकारा मिल सकता है।

सनातन धर्म में इसलिए सबसे मुख्य हैं भगवान कृष्ण, रामजी से इन चीजों में आगे

कृष्ण का मतलब है जो चराचर जगत के सभी प्राणियों को अपनी ओर आकर्षित करता है। इसलिए सृष्टि का कण-कण कृष्ण की ओर आकर्षित होता है। दरअसल, कृष्ण अकेले हैं जो सोलह कलाओं से परिपूर्ण परमपुरुष हैं, इसलिए सृष्टि के समस्त रूप-रंग और आकार-प्रकार कृष्ण में समाए हुए हैं। भगवान राम को शील, सौंदर्य और शक्ति से परिपूर्ण त्रिवेणी संगम कहा गया है। निस्संदेह मर्यादा पुरुषोत्तम राम में ये तीनों गुण समाहित हैं। उल्लेखनीय है कि राम का शील, सौंदर्य और शक्ति का अद्भुत समन्वय पहले से ही कृष्ण में मौजूद है, लेकिन राम में प्रेम और उत्सवधर्मिता के जो तत्व नदारद हैं, वे भी श्रीकृष्ण में साकार हो जाते हैं। सनातन संस्कृति की अवतारी परंपरा में कृष्ण अकेले हैं जो दुखों के महासागर में हंसते-गाते-नाचते द्वीप की तरह हैं। उत्सवधर्मिता भारत की सनातन परंपरा है, उत्सव भारतीय जनमानस की जीवन-शैली का अहम हिस्सा है। और कृष्ण की समस्त लीलाएं यानी जन्म से लेकर देह-विसर्जन तक प्रेम और उत्सव पर आधारित हैं।

श्रीकृष्ण की लीलाओं का प्रत्येक आयाम सहज और सरल मालूम होता है, पर बाल्यावस्था से लेकर अर्जुन को अपने विराट रूप के दर्शन कराने तक उनकी समस्त लीलाएं हमारा मार्गदर्शन करती हुई विषमताओं से सामंजस्य स्थापित करना सिखाती हैं। छांदोग्य उपनिषद, महाभारत महाकाव्य और भागवत पुराण के अनुसार उनकी जीवन-यात्रा को बाल्यकाल, युवावस्था का मैत्रीभाव, गृहस्थ जीवन, गीता का उपदेशक और संन्यासी के रूप में बांट कर सुगमता से समझा जा सकता है। एक अबोध बालक बचपन के आरंभिक दौर में धूल-मिट्टी में खेलता हुआ, अपनी अदाओं से केवल निश्छल प्रेम ही फैलाता है। माखनचोर के लीलावतार में श्रीकृष्ण ने बालसुलभ-प्रेम का ही विस्तार किया है। जब तक बालक के मानसिक विकास की प्रक्रिया प्रारंभ नहीं होती तब तक वह हर चतुराई से दूर रहता है। लेकिन मानसिक विकास की शुरुआत होते ही उसके मन में उथल-पुथल का दौर आरंभ हो जाता है। इस स्थिति में बालक को विचारों व भावनाओं को नियंत्रित करने की जरूरत होती है। क्या उचित है, क्या अनुचित है, दोनों के अंतर को समझने के लिए अपने विवेक को जागृत करना पड़ता है।

कृष्ण द्वारा कंस का वध अहंकार पर विजय प्राप्ति का प्रतीक है। जब व्यक्ति हर तरह के अहं का विसर्जन कर देता है तो उसके हृदय में विनयशीलता और दयालुता स्थापित हो जाती हैं। इन दोनों सद्गुणों को धारण करने पर व्यक्ति गृहस्थ बनने के योग्य हो जाता है। कृष्ण को प्रायः मुरलीधर के रूप में दिखाया जाता है। मुरली को हर वक्त श्रीकृष्ण अपने संग रखते हैं। मुरली आंतरिक रूप से खाली है और उसमें आठ छिद्र भी हैं। यह इस बात का परिचायक है कि जब हमारा अन्तःकरण निर्मल और पारदर्शी हो जाता है तो ईश्वरीय कृपा की अनुभूति होने लगती है। गीताकार के रूप में योगेश्वर श्रीकृष्ण ने कहा, 'ज्ञानी पुरुष कर्मफल की इच्छा का परित्याग करते हुए कर्म करता है और समस्त प्रकार के बंधनों से मुक्त होकर आध्यात्मिक आनंद को प्राप्त करता है।

श्रीकृष्ण अर्जुन को निमित्त मानकर जनसाधारण को संदेश देते हैं, 'अर्जुन! सृष्टि में ज्ञान से श्रेष्ठ कोई दूसरी वस्तु नहीं है और ज्ञान प्राप्ति के लिए श्रद्धा, आस्था और आत्मसंयम को धारण करना अनिवार्य है।' कृष्ण सदैव कर्म के प्रति प्रतिबद्ध दिखाई देते हैं। वह कोई निजी हित साधने या व्यक्तिगत लाभ उठाने के लिए कर्म से प्रेरित नहीं होते। इसलिए अर्जुन के माध्यम से समस्त संसार को कर्मफल की चिंता से मुक्ति का संदेश देते हैं।

महिलाओं की करीब 37 फीसदी आबादी के पास है रोजगार; लिस्ट में हैदराबाद और पुणे टॉप पर

भारत में महिला कार्यबल की जनसांख्यिकी से पता चलता है कि लगभग 69.2 करोड़ महिलाओं की कुल आबादी में से लगभग 37 प्रतिशत महिलाएं सक्रिय रूप से काम कर रही हैं या कार्यरत हैं। रिपोर्ट के अनुसार हैदराबाद पुणे और चेन्नई जैसे शहर महिला रोजगार के मामले में सबसे आगे हैं। आपको बता दें कि 2023 में कॉलेजों से निकली नई प्रतिभाओं में से 40 प्रतिशत महिलाएं थीं।

भारतीय महिलाएं लगातार तरक्की की ओर बढ़ रही है। जहां एक तरह महिलाओं ने अपने अधिकारों को समझते हुए सरकार के योजनाओं का लाभ उठाया है। वहीं भारत में कामकाजी महिलाओं की संख्या भी बढ़ती जा रही है।

हाल ही में आई एक रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में महिला कार्यबल की जनसांख्यिकी से पता चलता है कि लगभग 69.2 करोड़ महिलाओं की कुल आबादी में से लगभग 37 प्रतिशत महिलाएं सक्रिय रूप से काम कर रही हैं या कार्यरत हैं।

इन शहरों में ज्यादा है कामकाजी महिलाएं

प्रतिभा समाधान प्रदाता कैरियरनेट की 'भारत में महिला रोजगार की स्थिति' रिपोर्ट के अनुसार, हैदराबाद, पुणे और चेन्नई जैसे शहर महिला रोजगार के मामले में सबसे आगे हैं।

इसमें कहा गया है कि 2023 में, कनिष्ठ पेशेवर भूमिकाओं और कार्यकारी बोर्डों में, कार्यबल में महिलाओं के प्रतिनिधित्व में पिछले वर्ष की तुलना में 2-5 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि हुई। रिपोर्ट से पता चला कि 2023 में कॉलेजों से निकली नई प्रतिभाओं में से 40 प्रतिशत महिलाएं थीं।

इसमें कहा गया है कि 0-3 साल और 3-7 साल का अनुभव रखने वाली महिला उम्मीदवार अपने संबंधित बैंड में कुल नियुक्तियों का 20-25 प्रतिशत हैं।

रिपोर्ट में आगे बताया गया है कि दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) को छोड़कर अधिकांश शहरों में महिलाओं की नियुक्ति अनुपात में मामूली वृद्धि हुई है, जिसमें गिरावट देखी गई है।

हैदराबाद 34 प्रतिशत नियुक्ति दर के साथ सबसे आगे है, इसके बाद पुणे 33 प्रतिशत और चेन्नई 29 प्रतिशत है। जबकि, दिल्ली-एनसीआर में 20 प्रतिशत की गिरावट देखी गई है, जो 2022 के आंकड़े से 2 प्रतिशत की कमी को दर्शाता है।

वेतन अंतर में देखी गई कमी

यह रिपोर्ट 2023 में आंतरिक स्रोतों, नियोक्ता करियर पोर्टल और महीने-दर-महीने भर्ती के रुझानों से एकत्रित 25,000 नौकरी प्लेसमेंट के विश्लेषण के साथ तैयार की गई है।

क्षेत्रीय विश्लेषण से पता चला कि वैश्विक क्षमता केंद्रों (जीसीसी) के भीतर बैंकिंग, वित्तीय सेवाओं और बीमा (बीएफएसआई) क्षेत्र में महिलाओं के लिए भर्ती के रुझान में वृद्धि हुई है, जो बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा कई रणनीतिक कार्यों को करने के लिए स्थापित अपतटीय इकाइयां हैं।

इसके अलावा, रिपोर्ट में वेतन अंतर में कमी देखी गई, जो पिछले वर्ष के 30 प्रतिशत से घटकर 2023 में लगभग 20 प्रतिशत हो गई, जो समान वेतन प्रथाओं की दिशा में सकारात्मक बदलाव का संकेत है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि इस बीच, पिछले दो वर्षों में मध्य-प्रबंधन स्तर पर महिलाओं की नियुक्ति 23 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रही है।

'अगर आप समाधान नहीं कर सकते तो मैं खामोश नहीं रह सकता', प्रदूषण पर एलजी का सीएम केजरीवाल को लेटर

परिवहन विशेष न्यूज

एलजी ने पत्र में कहा है कि 2022 में दिल्ली दुनिया की दूसरी सबसे प्रदूषित राजधानी थी और 2021 में दुनिया की सबसे प्रदूषित राजधानी थी। इस बार भी दिल्ली दुनिया में सबसे प्रदूषित राजधानी रही है। अगर आप प्रदूषण को रोकने के लिए कोई समाधान खोजने में असमर्थ हैं तो मैं कोई कदम उठाने को बाध्य हूं।

नई दिल्ली। दिल्ली के सर्वाधिक प्रदूषित राजधानी होने को लेकर एलजी वीके सक्सेना ने सीएम अरविंद केजरीवाल को पत्र लिखा है। उन्होंने वायु प्रदूषण की रोकथाम के लिए किए जा रहे उपायों पर नाखुशी जताई है। उन्होंने कहा कि अगर आप कोई ठोस कदम नहीं उठाते हैं तो मैं दिल्लीवालों के लिए मूकदर्शक बनकर नहीं रह सकता।

उन्होंने पत्र में कहा है कि 2022 में दिल्ली दुनिया की दूसरी सबसे प्रदूषित राजधानी थी और 2021 में दुनिया की सबसे प्रदूषित राजधानी थी। मुझे मुझे यकीन है कि आपकी सरकार के नौ वर्षों का यह रिपोर्ट कार्ड ऐसा नहीं है, जिस पर आपको गर्व होगा। आपका बहुचर्चित दिल्ली मॉडल धुंध की धुंध में डूबा हुआ है।

नहीं निकला कोई समाधान

आपको याद दिला दूं कि दो वर्ष पहले नवंबर 2022, अक्टूबर 2023 में आपको और पड़ोसी राज्यों के मुख्यमंत्रियों को पत्र लिखकर दिल्ली में वायु प्रदूषण के मुद्दे को उठाया था, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। मैं इसे आपको राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप में शामिल होने से रोकने के लिए रेखांकित कर रहा हूं, जैसा कि आप कठिन सवालों का सामना करते समय करते रहे हैं।

विश्व वायु गुणवत्ता की गंभीर रिपोर्ट

विश्व वायु गुणवत्ता (World Air Quality Report) की रिपोर्ट 2023 ने गंभीर तस्वीर सामने ला दी है। असामान्य रूप से उच्च पीएम 2.5 स्तर एक गंभीर खतरा होता है, जिसका दो-पांचवां हिस्सा वाहन उत्सर्जन के कारण होता है। सड़क की धूल, खुले में जलना आदि जैसे अन्य कारक भी हैं जो हवा में उच्च कण पदार्थ में योगदान करते हैं।

समय से पहले हो जाती है लोगों की मौत

मुझे यकीन है कि आप जानते हैं कि ऐसा पीएम लंबे समय तक रहने से इसके संपर्क में रहने वाले लोगों की समय से पहले मौत हो जाती है। फेफड़ों की बीमारी और अस्थमा के दौरे पड़ते हैं और सांस संबंधी बीमारिया होती हैं।

शहर के अस्पतालों में सांस संबंधी बीमारियों से सबसे अधिक बच्चे और पीड़ित हैं। ऐसे मरीजों के बढ़ने की नियमित रिपोर्ट्स आ रही हैं। साल-दर-साल यह स्थिति इतनी चिंताजनक है कि यह दिल्ली के लोगों के जीवन के बुनियादी प्राकृतिक और मौलिक अधिकार का उल्लंघन करने के अलावा, सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल से कम नहीं है।

लेकिन अफसोस की बात है...

एलजी ने आगे लिखा, मैं पिछले दो वर्षों से वायु की गुणवत्ता में गिरावट से जुड़ी खबरों पर करीब से नजर रख रहा हूं। सर्दियों के मौसम में समाचार रिपोर्ट देखता हूं कि जो दिल्ली सरकार के उदासीन रवैये को दर्शाते हैं। कोई भी स्वाभिमानी नेता इसके लिए जिम्मेदार होता और ठोस कदम उठाता। लेकिन अफसोस की बात है कि आप कुछ नहीं करते हैं।

सर्दियों में हवा की गुणवत्ता इस हद तक गिर जाती है कि हमें स्कूलों और कार्यालयों को बंद करने के लिए मजबूर होना पड़ता है। आपके मंत्री ₹आपातकालीन उपायों₹, दिखावटी बातों और मीडिया बाइट्स की हास्यास्पद कवायद में उलझकर मुद्दे को उलझा देते हैं।

तो मैं कदम उठाने को हो जाऊंगा बाध्य

एलजी ने आगे कहा कि, अगर आप कोई समाधान खोजने में असमर्थ हैं तो मैं दिल्ली के प्रति अपने कर्तव्यों को निभाने के लिए संवैधानिक रूप से बाध्य हूं। मैं दिल्लीवालों के लिए मुकदर्शक बनकर नहीं रह सकता।

सद्गुरु जग्गी वासुदेव की दिल्ली के अस्पताल में हुई इमरजेंसी ब्रेन सर्जरी, जांच में सामने आई थी ये गंभीर बीमारी

ईशा फाउंडेशन के संस्थापक सद्गुरु जग्गी वासुदेव की दिल्ली के अस्पताल में ब्रेन सर्जरी हुई है। पिछले चार हफ्तों से सद्गुरु गंभीर सिरदर्द को नज़रअंदाज कर रहे थे और खुद को लगातार अपने कठिन कार्यक्रम में व्यस्त कर रहे थे। 15 मार्च को पता चला कि मस्तिष्क में भारी रक्तस्राव हो रहा है। डॉक्टरों ने बताया कि सद्गुरु हालत में धीरे-धीरे सुधार हो रहा है।

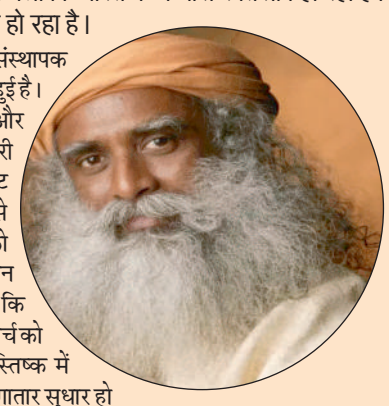

नईदिल्ली। आध्यात्मिक गुरु और ईशा फाउंडेशन के संस्थापक सद्गुरु जग्गी वासुदेव की दिल्ली के अस्पताल में ब्रेन सर्जरी हुई है। बताया गया कि वासुदेव के मस्तिष्क में भारी सूजन और रक्तस्राव की समस्या थी, जिसके बाद उनकी ब्रेन सर्जरी कराई गई। जग्गी वासुदेव के इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट करके इस संबंध में जानकारी दी गई। पोस्ट के माध्यम से कहा गया कि पिछले चार हफ्तों से सद्गुरु गंभीर सिरदर्द को नज़रअंदाज कर रहे थे और खुद को लगातार अपने कठिन कार्यक्रम में व्यस्त कर रहे थे। 15 मार्च को पता चला कि मस्तिष्क में भारी रक्तस्राव हो रहा है। इसके बाद उन्हें 17 मार्च को अस्पताल ले जाया गया, जहां पता चला कि उनके मस्तिष्क में जानलेवा सूजन है। सर्जरी के बाद सद्गुरु के स्वास्थ्य में लगातार सुधार हो रहा है। अपोलो अस्पताल के न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. विनीत सूरी ने कहा कि जिस प्रकार का सुधार हम देख रहे हैं, वह हमारी उम्मीद से परे है। वह अब बेहद ठीक हैं। उनके सभी मस्तिष्क, शरीर और महत्वपूर्ण पैरामीटर सामान्य हैं और वह लगातार प्रगति कर रहे हैं।

इन वजहों से काली हो रही शहरों की हवा, दिल्ली ही नहीं, NCR भी नहीं सांस लेने लायक नहीं; सिर्फ इस शहर में हुआ सुधार

परिवहन विशेष न्यूज

सांस लेने लायक हवा अब दिल्ली क्या पूरे एनसीआर में नहीं रह गई है। एनसीआर के अन्य शहरों की हवा में भी लगातार जहर घुल रहा है। आलम यह है कि स्विस एजेंसी आईक्यू एयर की वर्ल्ड एयर क्वालिटी रिपोर्ट 2023 रीजन एंड सिटी पीएम 2.5 रैंकिंग इस संदर्भ में भी कई चौंकाने वाले तथ्य सामने रखती है। ग्रेटर नोएडा दुनिया में 11 वां सबसे प्रदूषित शहर है।

नई दिल्ली। सांस लेने लायक हवा अब दिल्ली क्या, पूरे एनसीआर में नहीं रह गई है। एनसीआर के अन्य शहरों की हवा में भी लगातार जहर घुल रहा है। आलम यह है कि स्विस एजेंसी आईक्यू एयर की "वर्ल्ड एयर क्वालिटी रिपोर्ट 2023 : रीजन एंड सिटी पीएम 2.5 रैंकिंग" इस संदर्भ में भी कई चौंकाने वाले तथ्य सामने रखती है।

इसके अनुसार, ग्रेटर नोएडा एनसीआर में दूसरा सबसे प्रदूषित और दुनिया में 11 वां सबसे प्रदूषित शहर है। यहां 2023 में पीएम 2.5 की औसत सांद्रता 88.6 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर दर्ज की गई। 2022 की सांद्रता 83.2 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर से यह 6.5 प्रतिशत अधिक थी।

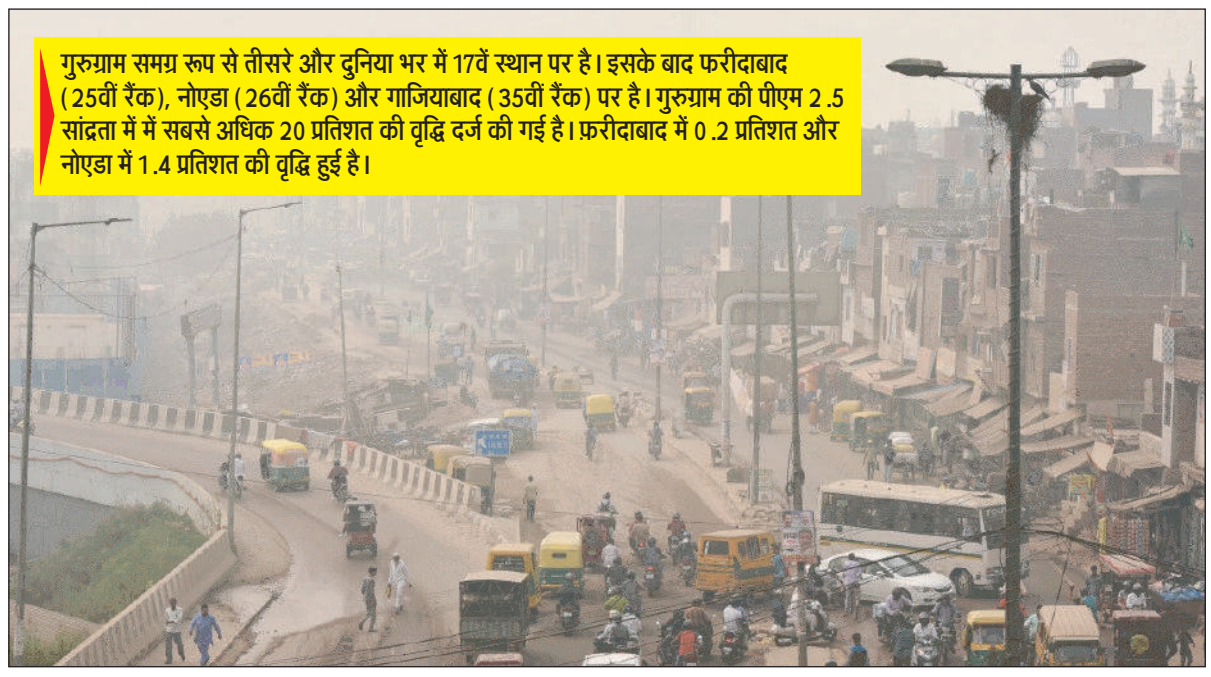

गुरुग्राम समग्र रूप से तीसरे और दुनिया भर में 17वें स्थान पर है। इसके बाद फरीदाबाद (25वीं रैंक), नोएडा (26वीं रैंक) और गाजियाबाद (35वीं रैंक) पर है। गुरुग्राम की पीएम 2.5 सांद्रता में में सबसे अधिक 20 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। फ़रीदाबाद में 0.2 प्रतिशत और नोएडा में 1.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

एनसीआर के शहरों की रैंकिंग

अन्य प्रमुख एनसीआर शहरों में, गुरुग्राम समग्र रूप से तीसरे और दुनिया भर में 17वें स्थान पर है। इसके बाद फरीदाबाद (25वीं रैंक), नोएडा (26वीं रैंक) और गाजियाबाद (35वीं रैंक) पर है। गुरुग्राम की पीएम 2.5 सांद्रता में में सबसे अधिक 20 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। फ़रीदाबाद में 0.2 प्रतिशत और नोएडा में 1.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

एनसीआर के गाजियाबाद शहर ने किया सुधार

प्रदूषित शहरों की सूची में गाजियाबाद एकमात्र अपवाद था। यहां की समग्र रैंकिंग 2022 में दुनिया के 11वें सबसे प्रदूषित शहर से घटकर 2023 में 35वें स्थान पर आ गई। वहां पर पीएम 2.5 की सांद्रता 14.1 प्रतिशत कम हो गई। विशेषज्ञों के मुताबिक यह बताना मुश्किल है कि गाजियाबाद ने एनसीआर में इतना सुधार क्यों दर्ज किया है, लेकिन उन्होंने कहा कि क्षेत्र में समग्र सुधार बड़े पैमाने पर उद्योगों में कोयले की चरणबद्ध समाप्ति से जुड़ा हुआ है।

पिछले साल, एनसीआर के उद्योगों में ईंधन के स्रोत रूप में कोयले पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। उत्तर प्रदेश में गाजियाबाद और राजस्थान में भिवाड़ी, जो कि औद्योगिक क्लस्टर हैं, ने 2022 की तुलना में 2023 में सुधार दिखाया है, जिसका मतलब यह हो सकता है कि उद्योग कोयले से पीएनजी पर स्विच कर रहे हैं।

एनसीआर के शहरों में वर्ष 2022 और 2023 में कितना रहा पीएम 2.5 की सांद्रता का स्तर (माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर में

शहर	2022 में	2023 में
ग्रेटर नोएडा	83.2	88.6
गुरुग्राम	70	84
फरीदाबाद	79.7	79.9
नोएडा	78.7	79.8
गाजियाबाद	88.6	76.1

प्रदूषण बढ़ने की मुख्य वजह

पराली जलाना, वाहन उत्सर्जन, कोयला जलाना, अपशिष्ट जलाना और खाना पकाने के लिए जीवाश्म ईंधन बायोमास का उपयोग।

दिल्ली और अन्य सभी एनसीआर शहर अपने उच्च प्रदूषण स्तर के लिए जाने जाते हैं। लेकिन अभी भी उत्सर्जन भार में कमी के लिए किसी भी व्यापक दृष्टिकोण का अभाव है। एनसीआर के एयरशेड में सबसे अधिक प्रदूषण फैलाने वाले क्षेत्रों को समग्र रूप से देखने और वहां लक्षित कार्रवाई करने की जरूरत है।

-सुनील दहिया, विश्लेषक, सेंटर फार रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर (सीआरईए)

रुपये चोरी के शक में कर्मचारी की पीट-पीटकर कर हत्या, आरोपित गिरफ्तार

परिवहन विशेष न्यूज

दिल्ली में नगर निगम के सफाई कर्मचारी ने रुपये चोरी के शक में अपने कर्मचारी की पीटकर हत्या कर दी। मंगलवार रात को उसने सच पता लगाने के लिए सुभाष की पिटाई की थी। ज्यादा मारपीट से उसकी मौत हो गई थी। वह घबरा गया था जिसके बाद वह फरार हो गया था। फिलहाल पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है।

पूर्वी दिल्ली। जौहरीपुर इलाके में दिल्ली नगर निगम के सफाई कर्मचारी ने रुपये चोरी के शक में अपने कर्मचारी की पीटकर हत्या कर दी। मृतक की पहचान सुभाष (35) के रूप में हुई है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पुलिस ने आरोपित सतीष भड़ाना को गिरफ्तार कर लिया है। करावल नगर थाना ने हत्या की धारा में प्राथमिकी की है।

8 वर्षों से नौकरी कर रहा था युवक

सुभाष मूलरूप से मेरठ स्थित गांव गेझा के रहने वाले थे। वह पिछले आठ वर्षों से सतीष के यहां पर नौकरी कर रहे थे। उसी के घर में रहते थे। बुधवार सुबह सवा सात बजे लोगों ने सुभाष को अचेत हालत में देखकर मामले की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने उसे अस्पताल में भर्ती करवाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

पता चला कि सुभाष का मालिक फरार है। डॉक्टरों ने शुरुआती जांच में बताया कि सुभाष के सिर के अंदर चोट लगी है। पुलिस ने हत्या का केस दर्ज कर मालिक की तलाश की। शाम को पुलिस ने आरोपित को करावल नगर क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस को पूछताछ में आरोपित ने बताया कि उसे शराब की लत है।

गायब थे 15 हजार रुपये

उसके घर के बक्से में रखे 15 हजार रुपये गायब थे। उसे शक था कि वह रुपये उसके कर्मचारी सुभाष ने चोरी किए हैं। मंगलवार रात को उसने सच पता लगाने के लिए सुभाष की पिटाई की थी। ज्यादा मारपीट से उसकी मौत हो गई थी। वह घबरा गया था, जिसके बाद वह फरार हो गया था।

शराब घोटाले में हैदराबाद के कारोबारी को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत, मिली 5 हफ्ते की अंतरिम जमानत

दिल्ली के शराब घोटाले से जुड़े मामले में एक कारोबारी को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। शीर्ष अदालत ने हैदराबाद के कारोबारी अभिषेक बोइनपल्ली को पांच हफ्ते की अंतरिम जमानत दे दी है। सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने बोइनपल्ली की पत्नी के खराब स्वास्थ्य के आधार पर उन्हें यह कहते हुए जमानत प्रदान कर दी कि वह 18 महीनों से हिरासत में हैं।

नई दिल्ली। दिल्ली आबकारी नीति घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार हैदराबाद के कारोबारी अभिषेक बोइनपल्ली को सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को पांच हफ्ते की अंतरिम जमानत प्रदान कर दी। जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस दीपांकर दत्ता की पीठ ने बोइनपल्ली की पत्नी के खराब स्वास्थ्य के आधार पर उन्हें यह कहते हुए जमानत प्रदान कर दी कि वह 18 महीनों से हिरासत में हैं।

पासपोर्ट सरेंडर करने का निर्देश

पीठ ने बोइनपल्ली से कहा कि वह ईडी अधिकारियों को अपना फोन नंबर उपलब्ध कराएं, ताकि वे संपर्क में रह सकें। पीठ ने बोइनपल्ली को पासपोर्ट सरेंडर करने का निर्देश देते हुए यह भी कहा कि वह अपने गृहनगर हैदराबाद जाने के अतिरिक्त एनसीआर नहीं छोड़ सकेंगे।

इसी मामले में ईडी द्वारा अपनी गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली बीआरएस नेता के. कविता की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट 22 मार्च को सुनवाई करेगा। कविता ने सोमवार को शीर्ष अदालत में याचिका दाखिल की थी। उन्हें ईडी ने 15 मार्च को गिरफ्तार किया था और वह 23 मार्च तक जांच एजेंसी की हिरासत में हैं।

के कविता को मिली बेटे और मां मिलने की अनुमति

वहीं, ईडी की रिमांड पर के. कविता को अदालत ने अपने दो बेटों, मां और परिवार के अन्य सदस्यों से मिलने की अनुमति दे दी है। राउज एवेन्यू कोर्ट के विशेष न्यायाधीश एमके नागपाल ने कविता के भाई के. तारक रामा राव को छोड़कर उनके बेटों आदित्य और आर्या, मां कल्वकुंतला, दो बहनें एम. अखिला और पी. सौम्या और भाई वी प्रशांत रेड्डी को मिलने की अनुमति दी।

नकली दूध, खोया, मिठाई बेचनेवालों की अब खैर नहीं

परिवहन विशेष न्यूज

एस.डी. सेठी, नई दिल्ली। दिल्ली में नकली, खोया, नकली दूध से बनी मिठाई बेचने वालों की अब खैर नहीं। होली में नकली मिठाईयों पर नकेल कसने के लिए हर जिले में फूड सेफ्टी डिपार्टमेंट(एफएसडी अधिकारियों की टीमें गठित कर दी गई हैं। ये टीम बाकायदा हर रोज दुकानों में जाकर सैंपल इक्ट्ठा कर रही है।। इस तैयारी की बावत फूड सेफ्टी डिपार्टमेंट की कमिश्नर नेहा बंसल के मुताबिक होली में मिलावटखोरों के खिलाफ कार्रवाई के लिए टीमें तैयार हैं।जांच अभियान शुरू कर दिया गया है। राजधानी दिल्ली के सभी 11 जिलों में अधिकारियों की टीमों को निर्देश दिया गया है कि वह हर जिले से 10 सैंपलों को रोज जांच के लिए भेजें।

फूड सेफ्टी डिपार्टमेंट के सूत्रो के मुताबिक इस बार नकली दूध से बनी मिठाईयों पर सबसे ज्यादा फोकस है।क्योंकि सबसे ज्यादा शिकायत नकली दूध से बनी मिठाई और खोवा की आती है।दरअसल नकली, कैमिकल युक्त दूध ,नकली चांदी वर्क,के नाम पर लोगों की सेहत के साथ खिलवाड किया जाता है।नकली मिठाई लोगों के दिल,लिवर,फेफड़ो को प्रभावित करती

है। इसके अलावा खाने वाली चीजों में केमिकल डालने के चलते कैंसर का रोग तेजी से बढ रहा है। लोगों से अपील की गई है कि वे रंगीन कलरफुल मिठाईयों से परहेज करें। कैसे करें नकली की पहचान।(नकली मावा की पहचान के लिए मावे का सैंपल लेकर पानी में उबालें।इसे उबालने के बाद ठंडा होने के लिए छोड दें।जब यह ठंडा हो जाए, तो उसमें आयोडीन-टिंचर मिलाए।अगर सैंपल का रंग नीला हो जाता है ,तो यह खोवा मिलावटी है,नकली है। इसी तरह नकली चांदी के वर्क की पहचान के लिए वर्क को हथेली पर रखकर रगडे।अगर यह रगडते वक्त खत्म हो जाता है ,तो यह शुद्ध है। अगर रगड़ते वक्त इसका गोला बन जाता है तो यह नकली है। शिकायत कैसे करें: अगर कहीं नकली मिठाई बनाई जा रही है या खराब नकली मावा ,दूध बेचा जा रहा है तो उपभोक्ता फूड सेफ्टी डिपार्टमेंट के हैल्प लाइन नंबर 1800113921पर शिकायत कर सकते हैं। शिकायत मिलते ही तत्काल दुकानदार के खिलाफ विभाग एक्शन लेगा।

36 दिनों से बंद गाजीपुर यूपी गेट की सर्विस लेन खुली, दिल्ली आने-जाने वाले यात्रियों को मिली बड़ी राहत

किसानों के विरोध प्रदर्शन के चलते बंद की गई गाजीपुर यूपी गेट की सर्विस लेन को आवाजाही के लिए खोल दिया गया है। इससे गाजियाबाद से रोजाना दिल्ली आने जाने वाले हजारों यात्रियों को बड़ी राहत मिली है। दिल्ली पुलिस ने किसानों के दिल्ली चलो मार्च को लेकर गाजीपुर बॉर्डर के पास एनएच-नौ की सर्विस रोड से पर सीमेंट की दीवार व कंक्रीट के बैरिकेड लगाकर बंद कर दिया था।

साहिबाबाद। किसानों के दिल्ली कूच को लेकर यूपी गेट पर दिल्ली पुलिस की ओर से बंद किए गए रास्तों को मंगलवार दोपहर से खोलना शुरू कर दिया गया। इससे राहगीरों की राह आसान होगी। पिछले 36 दिनों से रास्ता बंद होने से करीब दो लाख वाहन प्रतिदिन प्रभावित हो रहे थे। इससे प्रति वाहन करीब 50 रुपये का अतिरिक्त ईंधन फुंक रहा था। ऐसे में 10 लाख रुपये का ईंधन प्रतिदिन यानी 36 दिन में साढ़े तीन करोड़ से अधिक का अतिरिक्त ईंधन फुंक गया। 11 फरवरी की रात यूपी गेट पर राष्ट्रीय राजमार्ग-नौ (एनएच-नौ) की सर्विस लेन दिल्ली पुलिस ने पूरी तरह से सील कर रखी थी। आवाजाही पूरी तरह बंद कर कड़ा सुरक्षा पहरा था। एनएच नौ व दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे पर भी बैरिकेडिंग की गई थी। दिल्ली पुलिस ने मंगलवार रात को गाजीपुर बॉर्डर से बैरिकेड हटा दिए हैं। किसानों के दिल्ली कूच को देखते हुए पुलिस ने एनएच-नौ की दोनों सर्विस लेन को सीमेंट की दीवार बनाने के साथ ही कटिले तार लगा दिए थे। वाहनों की आवाजाही पूरी तरह से बंद थी।

परिवार सहित कार को क्रेन से उठा ले गए पार्किंग कर्मी वीडियो वायरल होने पर हरकत में आई नोएडा पुलिस

शहर में पार्किंग संचालक की गुंडई कम होने का नाम नहीं हो रही है। नो पार्किंग में खड़ी कार में मौजूद दंपती को पार्किंग कर्मी कार सहित क्रेन से उठा ले गए। नोएडा ट्रैफिक पुलिस ने क्रेन को सीज किया है। पुलिस ने पार्किंग एजेंसी क्रेन के चालक सहायक के खिलाफ केस दर्ज कर गिरफ्तार करने के बाद दो आरोपितों जेल भेजा है।

नोएडा। शहर में पार्किंग संचालक की गुंडई कम होने का नाम नहीं हो रही है। नो पार्किंग में खड़ी कार में मौजूद दंपती को पार्किंग कर्मी कार सहित क्रेन से उठा ले गए। घटना का शर्मनाक वीडियो इंटरनेट पर प्रसारित हुआ तो हरकत में आई नोएडा ट्रैफिक पुलिस ने क्रेन को सीज किया है। वहीं, सेक्टर-49 कोतवाली पुलिस ने पार्किंग एजेंसी, क्रेन के चालक, सहायक के खिलाफ केस दर्ज कर गिरफ्तार करने के बाद दो आरोपितों जेल भेजा है।

सुबह वायरल हुआ वीडियो

बुधवार सुबह इंटरनेट मीडिया पर 42 सेकेंड का एक वीडियो तेजी से प्रसारित हुआ। वीडियो में दिखाई दे सकता है कि एक लाल रंग की कार में कुछ लोग बैठे हैं। बावजूद क्रेन चालक कार को खींचकर ले जा रहा है। घटना के बाद नोएडा प्राधिकरण की ओर से जारी बयान में कहा हे कि यातायात के सुचारू संचालन के लिए विभिन्न सेक्टरों में सरफेस पार्किंग का संचालन एजेंसी के माध्यम से कराया जाता है।

सेक्टर-50 मार्केट के चारों और सरफेस पार्किंग का कार्य एमजी इन्फ्रा सॉल्यूशन को आवंटित है। एजेंसी के क्रेन चालक व सहायक द्वारा सेक्टर-50 मार्केट में रोड पर खड़े वाहन जिसमें कार का चालक व परिवार बैठा था। कार को क्रेन से टो कर जबरदस्ती उठवाकर सेक्टर-32 स्थित लॉजिक्स मॉल पार्किंग पर अवैध रूप से ले जाया गया। इससे नोएडा प्राधिकरण की छवि धूमिल हुई है। एजेंसी को पूर्व में चेतावनी दी गई थी, लेकिन उसके द्वारा अनुबंध की शर्तों का उल्लंघन करते हुए लोगों के साथ दुर्व्यवहार एवं जबरन वसूली किए जाने के शिकायत मिलती रही। इस कारण एमजी इंफ्रा सॉल्यूशन एवं उनके क्रेन चालक, सहायक के खिलाफ सेक्टर-49 कोतवाली में एफआईआर दर्ज कराई गई है।

50 हजार का जुर्माना

नोएडा प्राधिकरण (Noida Authority) ने फर्म के ऊपर 50 हजार रुपये का अर्थदंड लगाते हुए काली सूची में डालने का कारण बताओ नोटिस जारी किया है। वहीं, कोतवाली पुलिस का कहना है कि घटना मंगलवार दोपहर की है। कार नंबर के आधार पर उसमें लोगों का पता लगाया जा रहा है।

सेक्टर-18 में मनमानी से परेशान हैं लोग

क्रेन पर तैनात पार्किंग कर्मियों की मनमानी का नतीजा प्रतिदिन सेक्टर-18 में भी देखा जा सकता है। सेक्टर-18 में अकेले ठेकेदार द्वारा पांच क्रेन चार पहिया को उठाने के लिए व एक क्रेन दोपहिया को उठाने के लिए है। इसपर 20 से अधिक कर्मी तैनात रहते हैं। जो निर्धारित पार्किंग में खड़ी कार और दोपहिया को भी उठा ले जाते हैं।

पूर्व में कई बार पार्किंग कर्मियों की इस हरकत का वीडियो प्रसारित हो चुका है। क्रेन पर तैनात कर्मी विरोध करने पर चालक से मारपीट करते हैं। मंगलवार को भी एक चालक की निर्धारित पार्किंग में खड़ी दोपहिया को क्रेन पर तैनात कर्मी उठाकर ले गए। चालक ने जब इसका विरोध किया तो एक क्रेन पर तैनात एक युवक विक्ट्री का साइन दिखाता रहा।

ट्रैफिक पुलिस बनी रहती है मूकदर्शक

सुबह से शाम तक सेक्टर-18 सहित विभिन्न जगह गाड़ियों से क्रेन के कर्मी मनमाने तरीके से उठाते रहते हैं।क्षेत्र में तैनात ट्रैफिक पुलिसकर्मी गायब रहते हैं। एसीपी ट्रैफिक, यातायात निरीक्षक, यातायात उपनिरीक्षक द्वारा इन कर्मियों की हरकत पर नजर नहीं रखी जाती है। कई बार तो ट्रैफिक पुलिस के सामने पार्किंग कर्मी ऐसी करते हैं लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की जाती है।

वीडियो का संज्ञान लेकर क्रेन को सीज कर दिया गया है। क्रेन पर नियुक्त कर्मियों और ठेकेदार के खिलाफ आइपीसी की धारा-151 में केस दर्ज कर दो आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है।

-मनीष मिश्र, एडिशनल डीसीपी नोएडा

नोएडा प्राधिकरण के सीईओ को बुधवार को पत्र लिखकर कर अवगत कराया है कि क्रेन के कर्मी कार में बैठे लोगों को टोईंग करने के साथ अभद्र व्यवहार और अवैध वसूली करते है। यातायात नियमों का पालन नहीं करते है। कुछ लोग आपराधिक गतिविधि के हो सकते हैं। इसलिए क्रेन पर तैनात कर्मियों का पुलिस सत्यापन कराया जाए।

-अनिल यादव, डीसीपी ट्रैफिक, नोएडा

आदत सुधार लें जीडीए कर्मचारी, बेवजह कोई फाइल रोकी तो खैर नहीं

परिवहन विशेष न्यूज

मंगलवार को जीडीए उपाध्यक्ष के पास कई आवंटी शिकायत लेकर पहुंचे थे कि रिफंड व नामांतरण के लिए आवेदन किए हुए कई महीने बीत चुके हैं लेकिन हर बार टरका दिया जाता है। इस पर जीडीए उपाध्यक्ष अतुल वत्स ने फाइलें तलब ही की थी। बस फिर क्या था महीनों से अटके आवंटियों को काम मिनटों ने हो गए।

गाजियाबाद। बेवजह फाइलें रोककर बैठे रहना और जनता को परेशान करना जीडीए कर्मचारियों की आदत में शुमार है। सालों से इसी परिपाटी पर काम करते आ रहे हैं। खासतौर पर पिछले करीब पौने दो साल से प्राधिकरण में स्वतंत्र उपाध्यक्ष न होने का जीडीए कर्मचारियों ने खूब फायदा उठाया, जनता को खूब परेशान किया, लेकिन अब बेवजह फाइलें रोककर बैठे रहने वाले कर्मचारियों की खैर नहीं है।

एक्शन मोड में जीडीए के नवनियुक्त उपाध्यक्ष

जीडीए के नवनियुक्त उपाध्यक्ष आइएएस अतुल वत्स कार्यभार संभालते ही एक्शन मोड़ में आ गए हैं। उन्होंने प्राधिकरण के सभी अनुभाग के लिए फरमान जारी कर दिया है कि किसी भी पटल पर कोई भी फाइल अनावश्यक रूप से लंबित न रहे। अगर किसी भी पटल पर अनावश्यक रूप से फाइल लंबित होने की शिकायत मिली तो संबंधित कर्मचारी व अधिकारी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

दरअसल, मंगलवार को जीडीए उपाध्यक्ष के पास कई आवंटी शिकायत लेकर पहुंचे थे कि रिफंड व नामांतरण के लिए आवेदन किए हुए कई महीने बीत चुके हैं लेकिन हर बार टरका दिया जाता है। इस पर जीडीए उपाध्यक्ष अतुल वत्स ने फाइलें तलब ही की थी। बस फिर क्या था महीनों से अटके आवंटियों को काम मिनटों ने हो गए।

जुलाई 2023 में रिफंड के लिए किया था आवेदन

यह सभी आवंटी जीडीए उपाध्यक्ष को धन्यवाद करते हुए वापस लौटे। एक मामला इंद्रप्रस्थ योजना में फ्लैट के आवंटी नवीन कुमार का था। उन्होंने जुलाई 2023 में रिफंड के लिए आवेदन किया था। लेकिन कई चक्कर लगाने के बाद भी रिफंड नहीं हुआ था।

इसी तरह संजीव कुमार निगम की रिफंड की फाइल भी दिसंबर 2023 से अटकी हुई थी। पटेलनगर-3 में रहने वाले प्रवीण यादव ने सितंबर 2022 में नामांतरण के लिए आवेदन किया था लेकिन कर्मचारी नामांतरण के नाम पर उन्हें बार-बार चक्कर तो लगवा रहे थे लेकिन नामांतरण नहीं कर रहे थे। इन सभी मामलों की शिकायत लेकर आवंटी जीडीए उपाध्यक्ष से मिले थे। इसके बाद इन सभी की समस्याओं का तत्काल निस्तारण हो गया।

लोकसभा चुनाव के लिए कंट्रोल रूम नंबर और ई-मेल जारी, दे सकते हैं शिकायत और सुझाव

Lok Sabha Election 2024

मतदाता किसी भी शिकायत और सुझाव के लिए 24 घंटे इन टेलीफोन नंबर को डॉयल कर सकते हैं और ई-मेल पर भी अपनी शिकायत व सुझाव दे सकते हैं। कहीं आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन होता हुआ दिखाई दे तो इसकी शिकायत दर्ज करा सकते हैं। उन्होंने बताया कि शिकायत और सुझाव पर जिला निर्वाचन टीम तत्काल कार्रवाई करेगी।

गाजियाबाद। लोकसभा चुनाव को लेकर निष्पक्ष और शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने के लिए जिला निर्वाचन की ओर से कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। मतदाताओं के सुझाव और शिकायत के लिए टेलीफोन नंबर 0120-2822980, 0120-2822981, 0120-2822982, 0120-2822983 के अलावा ई-मेल controlroomgzb2024@gmail.com जारी की गई है।

मतदाता किसी भी शिकायत और सुझाव के लिए 24 घंटे इन टेलीफोन नंबर को डॉयल कर सकते हैं और ई-मेल पर भी अपनी शिकायत व सुझाव दे सकते हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी इंद्र विक्रम सिंह ने बताया कि इन नंबरों पर मतदाता पहचान पत्र, मतदान केंद्र, मतदान स्थल आदि की जानकारी भी ले सकते हैं।

यदि कहीं आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन होता हुआ दिखाई दे तो इसकी शिकायत दर्ज करा सकते हैं। उन्होंने बताया कि शिकायत और सुझाव पर जिला निर्वाचन टीम तत्काल कार्रवाई करेगी। आचार संहिता लागू होने से लेकर मतगणना समाप्ति तक कंट्रोल रूम संचालित रहता है।

अति उत्साह में आकर भाजपा कहीं 2004 के चुनावों के दौरान वाली गलती ना कर दे!

राकेश सैन

अतिउत्साही भाजपा को यह विस्मृत नहीं होना चाहिए कि साल 2004 में भी उसके पास नरेन्द्र मोदी व अमित शाह की तरह अटल बिहारी वाजपेयी व लालकृष्ण आडवाणी जैसे करिश्माई नेतृत्व की छत्रछाया थी। उस लोकसभा चुनावों में भारत उदय का आकर्षक नारा दिया गया था।

एक कहानी है, देवराज इन्द्र के गजराज अक्सर गन्ने खाने के लिए पृथ्वीलोक पर एक खेत में आते थे। उस खेत का मालिक बहुत परेशान था, क्योंकि फसल का नुकसान तो होता परन्तु उसे चोर के कहीं पदचिन्ह नहीं मिलते। एक रात गुस्साया किसान चोर को पकड़ने के लिए खेत में छिप कर बैठ गया, जब गजराज धरती पर उतरे तो किसान ने उस एरावत की पूंछ पकड़ ली। गजराज घबरा गए और जान बचाने के लिए तुरन्त इन्द्रलोक की ओर उड़ लिए और उसके साथ-साथ किसान भी पूंछ पकड़े उड़ चला। गजराज को चिन्ता हो गई कि जीवित व्यक्ति स्वर्गलोक पहुंचा तो सारी मर्यादा भंग हो जाएगी, तो उसने अपनी पूंछ मुक्त करवाने के लिए खूब मेहनत की। गजरात उड़ते-उड़ते कभी उल्टा-पुल्टा हुए तो कभी शरीर को झटकाया, लेकिन ज्यों-ज्यों झटके लगे किसान की पकड़ त्यों-त्यों मजबूत होती जाए। अब गजराज ने युक्ति से काम लिया और रणनीति बदली। उसने किसान से बातचीत करनी शुरू कर दी। एरावत ने पूछ लिया कि तुम इतने मीठे गन्ने उगाते कैसे हो? अपनी बड़ाई सुन फूल कर कुप्पा हुए किसान ने सारी तकनीक बता दी। बातचीत करते-करते दोनों में मित्रता हो गई। मौका देख कर एरावत ने कहा, आज तक जितने गन्ने मैंने तुम्हारे खेत के खाए हैं चलो मैं महाराज इन्द्रदेव से बोल कर उतना सोना तुम्हें पुरस्कार में दिलवा देता हूं। सोने का नाम सुनते ही किसान इतना खुश हुआ कि ताली बजाने लगा, उसने जैसे ही ताली बजाने के लिए हाथ खोले तो धड़ाम से धरती पर आ गिरा और गजराज महोदय स्वर्गलोक को प्रस्थान कर गए। जो किसान हाथी के साथ संघर्ष के समय विकट परिस्थितियों में भी उसकी पूंछ पकड़े रहा वह अनुकूल परिस्थिति होते ही धड़ाम से धरती पर आ गिरा। प्रतिकूल परिस्थितियों के खतरे तो सर्वज्ञात हैं परन्तु कहानी बताती है कि अनुकूल हालात भी खतरे से खाली नहीं होते, प्रतिकूल हालातों में इंसान संघर्ष करता है परन्तु महौल बदलेत ही अक्सर असावधान हो जाता है और यहीं चूक कर जाता है।

देश में लोकसभा चुनावों का शंखनाद हो चुका है। आज परिस्थितियां सत्तारुढ़ भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के पक्ष में बताई जा रही हैं। वर्तमान में द्रुत गति से हो रहा विकास, कुलांचे भरती अर्थव्यवस्था, स्वदेशी और आत्मनिर्भरता को लक्ष्य बना अग्रसर हो रहा भारत व विदेशी कूटनीतिक मोर्चों पर देश को मिलती सफलता या बात करें सांस्कृतिक उत्थान और साम्प्रदायिक सौहार्द की, तो थोड़ी बहुत नुक्ताचीनी के बाद कमोबेश हर विरोधी भी मान रहा है कि वर्तमान सरकार का कार्यकाल अच्छा रहा है। इन परिस्थितियों से ही तो उत्साहित हो कर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अबकी बार चार सौ पार का उत्साही नारा दिया है, सत्ताधारियों की दृष्टि से हर कहीं बम-बम है, बस यहीं से शुरू हो सकता है अनुकूल परिस्थिति के खतरे पैदा होने का क्रम। अतिउत्साही भाजपा को यह विस्मृत नहीं होना चाहिए कि साल 2004 में भी उसके पास नरेन्द्र मोदी व अमित शाह की तरह अटल बिहारी वाजपेयी व लालकृष्ण आडवाणी जैसे करिश्माई नेतृत्व की छत्रछाया थी। उस लोकसभा चुनावों में भारत उदय का आकर्षक नारा दिया गया था, अर्थव्यवस्था व विकास तब भी मृगझुण्डों के साथ चुंगियां भरने की स्पर्धा कर रहे थे परन्तु पार्टी की दृष्टि से परिणाम निराशाजनक रहे। छोटे-छोटे दलों को साथ लेकर कांग्रेस की तत्कालीन अध्यक्षा सोनिया गान्धी ने राजग को ऐसी पटकनी दी कि अगले दस साल तक केंद्र में कांग्रेस की सरकार सत्ता में रही।

माना कि इस तरह की चेतावनी पहली बार नहीं दी जा रही और भाजपा नेतृत्व इस प्रकरण से कुछ सीखा नहीं होगा परन्तु इसके बावजूद भी पार्टी को संघर्ष के मार्ग को हर हालत में पकड़ कर रखना होगा। वैसे भी मोदी-शाह की जुगलबन्दी और अटल-आडवाणी की जोड़ी की कार्यप्रणाली में गांधी जी व सरदार पटेल जैसी भिन्नता सर्वज्ञात है और विपक्ष की डांवाडोल हालत में 2004 दोहराया जाना फिलहाल सम्भव नहीं लगता परन्तु भाजपा को अपनी संघर्षमयी कार्यप्रणाली को बनाए रखना होगा।

देश में केवल भाजपा व वामदलों को ही कार्यकर्ता आधारित दल होने का श्रेय प्राप्त है। कार्यकर्ता के गुणों की पहचान, कार्यकर्ता निर्माण, उसे रुचि व क्षमता अनुसार काम और पूरा सम्मान व इसके साथ जनता से निरन्तर सम्पर्क भारतीय जनता पार्टी की प्रमाणिक कार्यप्रणाली मानी जाती है। पालने से लेकर पार्लियामेण्ट तक पार्टी इसी पद्धति से आगे बढ़ी है। आज चाहे भाजपा को लक्ष्य सरल लग रहा है परन्तु मार्ग इतना भी आसान नहीं है कि लोकसभा में चार सौ सदस्यों को बिना संघर्ष किए शपथ दिलवाई जा सके। चाहे कांग्रेस कमजोर दिख रही है परन्तु तृणमूल कांग्रेस, सपा, डीएमके, एआईएडीएमके, बसपा, आम आदमी पार्टी, पीडीपी, नेशनल कान्फ्रेंस सहित अनेक क्षत्रप अपने-अपने क्षेत्रों में मजबूती के साथ पांव जमाए हुए हैं। कहीं-कहीं इण्डिया गठजोड़ के प्लेटफार्म पर मिल कर ये सूबेदार भाजपा की कड़ी परीक्षा लेने वाले हैं। दूसरी ओर विकसित और आत्मनिर्भरता के मार्ग पर बढ़ रहा भारत बहुत-सी शक्तियों के आंखों की किरकिरी बना हुआ है। जो भारत दुनिया हथियारों की दुनिया का सबसे बड़ा आयातक था वो आज सैन्य सामग्री निर्यात करने लगा है, भला देसी-विदेशी शस्त्रलॉबी इसे कैसे बर्दाश्त कर सकती है? प्रतिबन्ध के बाद से देश में जिन लाखों विदेशी एनजीओ की दुकानदारी बन्द हो गई क्या वे सत्ता परिवर्तन नहीं चाह रही होंगी? इन सबके मद्देनजर भाजपा को कार्यपद्धति पर चलते हुए पूरी शक्ति के साथ चुनावों में उतरना होगा और अनुकूलता के खतरों से सावधान रहना होगा।

उत्तर प्रदेश की राजनीति में 'फरसा' फिर से तैयार है

डॉ. ऋतु दुबे तिवारी

देखा जाए तो मंडल कमीशन के बाद से यूपी में दलित-ओबीसी राजनीति ने जोर पकड़ा और उसके बाद से अब तक कोई ब्राह्मण सीएम नहीं बन पाया लेकिन मतदाता के तौर पर इस जाति ने 90 के दशक के दौरान शुरुआती झटकों से उबरते हुए पुराना रसूख फिर से हासिल कर लिया है।

उत्तर प्रदेश को देश की राजनीति का केंद्र बिंदु माना जाता है। यहाँ की सियासत का सीधा असर केंद्र में देखने को मिलता है। गौरतलाब बात ये है कि देश को प्रभावित करने वाली उत्तर प्रदेश कि राजनीति में में ब्राह्मण वोटर्स की संख्या भले ही तकरीबन 12 फीसदी है लेकिन यह वर्ग प्रदेश की राजनीति को जबरदस्त प्रभावित करने की क्षमता रखता है। विधानसभा में करीब 115 सीटें ऐसी हैं, जिनमें ब्राह्मण मतदाताओं का अच्छा प्रभाव है। आश्चर्यजनक बात ये रही कि ऐसे समय जब लोकसभा चुनाव 2024 की तारीखों का ऐलान हो चुका है उस समय भी उत्तर प्रदेश में ब्राह्मणों के मिज़ाज और समीकरण पर कोई बात नहीं हो रही थी। एक तरफ जहाँ भाजपा और इंडी गठबंधन दोनों में ओबीसी वोट की लड़ाई दिख रही थी तो दूसरी तरफ मायावती डीएम यानी दलित मुस्लिम समीकरण के भरोसे ही हैं। ऐसा उस राज्य में हो रहा है जहां 6 बार ब्राह्मण मुख्यमंत्री रहे हैं और 2022 के विधान सभा चुनाव में 52 ब्राह्मण विधायक बने थे।

देखा जाए तो मंडल कमीशन के बाद से यूपी में दलित-ओबीसी राजनीति ने जोर पकड़ा और उसके बाद से अब तक कोई ब्राह्मण सीएम नहीं बन पाया लेकिन मतदाता के तौर पर इस जाति ने 90 के दशक के दौरान शुरुआती झटकों से उबरते हुए पुराना रसूख फिर से हासिल कर लिया है। यही कारण है कि मनुवाद का सीधा विरोध करने और मंडल कमीशन के बाद बदले सियासी माहौल में सत्ता पर काबिज होने वाली सपा और बसपा भी बाद में ब्राह्मण वोट बैंक को आकर्षित करने की रणनीति बनाने लगे।

ब्राह्मण राजनीति का शोर नेपथ्य में जा ही रहा था कि इसी बीच उत्तर प्रदेश सरकार में लोक निर्माण विभाग मंत्री जितिन प्रसाद ने एक बार फिर ब्राह्मण स्वाभिमान और सम्मान को चर्चाओं में ला दिया है। शाहजहांपुर के जलालाबाद में भगवान परशुराम की प्रतिमा पर माला पहनाते हुए उन्होंने एक तस्वीर एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि जनता की आस्था का सम्मान करते हुए भगवान परशुराम की जन्मस्थली जलालाबाद के सौंदर्यीकरण और विकास के लिए सरकार ने वित्तीय और प्रशासकीय स्वीकृति दे दी है।

सियासत में कम शब्दों में संदेश कह देने की कला महत्वपूर्ण होती है और इसीलिए जो इसमें माहिर है वह राजनीति के दांव पेंच में भी माहिर माना जाता है। ब्राह्मण स्वाभिमान के मुद्दे पर जितिन प्रसाद पिछले कुछ सालों में बेहद मुखर रहे, इन्होंने ब्राह्मणों के लिए संगठन बनाया और पूरे प्रदेश में घूम घूम कर ब्राह्मणों को एकजुट करने का अभियान चलाया। जितिन प्रसाद जब भाजपा में आए तब भी ये बात उठी थी कि जिस प्रकार ब्राह्मणों की नाराजगी को जितिन प्रसाद ने राष्ट्रीय मुद्दा बना दिया था वो उनके भाजपा में शामिल होने के बाद राजनीतिक रुप से भाजपा के पक्ष में हो गई है। जितिन आज जिस कुर्सी पर हैं उस पर कभी नसीमुद्दीन सिद्दीकी और शिवपाल सिंह यादव जैसे दिग्गज रहे हैं। दोनों अपने अपने दलों में तो मजबूत रहे ही साथ ही अपनी जाति के लोगों के बीच नायक वाली छवि के साथ रहे और अब शायद जितिन भी धीरे धीरे उत्तर प्रदेश के ब्राह्मण समाज के बीच लगातार जाकर खुद को उसी नायक के रुप में स्थापित कर रहे हैं।

भारत में 150 से अधिक टू व्हीलर ईवी स्टार्टअप, अगले दस सालों में 15-20 फीसदी ग्रोथ की संभावना

भारत में इलेक्ट्रिक व्हीकल तेजी से पॉपुलर हो रहे है। यही कारण है कि देश में ईवी स्टार्ट अप की संख्या 150 से अधिक है। सरकार भी ग्रीन इकोनॉमी के लिए ईवी कंपनियों को प्रोत्साहित कर रही हैं। ग्लोबल इन्वेस्टमेंट एडवाइजरी फर्म ब र्न्सटीन के मुताबिक देश में अगले दस वर्षों में ईवी सेगमेंट में 15-20 प्रतिशत की ग्रोथ देखने को मिल सकती है।

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। भारत में टू व्हीलर इलेक्ट्रिक व्हीकल (EV startups) की संख्या 150 से अधिक हो गई। स्टार्टअप को बढ़ावा देने वाली सरकारी नीतियों और ग्रीन इकोनॉमी के लिए प्रोत्साहन की वजह से ऐसा हुआ है।

ईवी सेगमेंट में 15 से 20 गुना ग्रोथ

बुधवार को जारी की गई एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। ग्लोबल इन्वेस्टमेंट एडवाइजरी फर्म बर्न्सटीन द्वारा किए गए विश्लेषण के अनुसार, अगले दशक में भारतीय ईवी सेगमेंट 15-20 गुना तक ग्रोथ दर्ज कर सकता है और इसकी सालाना बिक्री 1.5-2 करोड़ यूनिट तक पहुंच सकती है।

बढ़ेगी बैटरी कैपेसिटी

लॉन्च किए गए वाहनों की औसत बैटरी क्षमता 2.3 किलोवाट-घंटा से बढ़कर 2022 में 3 किलोवाट-घंटा हो गई है। केंद्र सरकार ने पिछले सप्ताह नई ईवी मैन्युफैक्चरिंग नीति की घोषणा की थी।

घरेलू मैन्युफैक्चरिंग बढ़ाने पर जोर

नई नीति का लक्ष्य न सिर्फ वैश्विक कंपनियों को भारत में निवेश के लिए आकर्षित करना है, बल्कि घरेलू स्तर पर भी वैल्यू एडिशन को बढ़ावा देना है। भारत का ईवी मार्केट तेजी से बढ़ रहा है। देश में खास तौर पर स्वच्छ परिवहन की मांग बढ़ रही है।

JSW MG मोटर इंडिया पांच हजार करोड़ रुपये के निवेश से लगाएगी दूसरा प्लांट, बढ़ेगी उत्पादन क्षमता, जानें डिटेल

JSW और MG Motor India की साझेदारी होने के बाद कंपनी अब भारत में पहले से ज्यादा अक्रामक तरीके से अन्य निर्माताओं को चुनौती देगी। कंपनी जल्द ही पांच हजार करोड़ रुपये का निवेश करेगी जिससे उत्पादन क्षमता को बढ़ाया जा सकेगा। भविष्य में कंपनी किस तरह से भारत में अपना विस्तार करने की तैयारी कर रही है। आइए जानते हैं।

नई दिल्ली। जेएसडब्ल्यू के साथ एमजी मोटर्स की साझेदारी होने के बाद अब कंपनी की योजना उत्पादन बढ़ाने की है। हम इस खबर में आपको बता रहे हैं कि कंपनी की ओर से भविष्य में कितने निवेश की तैयारी की जा रही है और इसके साथ ही कंपनी आने वाले समय में किन नए वाहनों को ला सकती है।

JSW MG Motors India करेगी यह काम

ब्रिटिश वाहन निर्माता एमजी मोटर्स की भारतीय ईकाई के साथ ज्वाइंट वेंचर होने के बाद अब JSW MG Motor India उत्पादन को बढ़ाने की तैयारी कर रही है। दोनों कंपनियों की साझेदारी होने के बाद अब भारत में उत्पादन बढ़ाने के साथ ही नए वाहनों को लॉन्च करने की तैयारी भी की जा रही है। कंपनी की योजना हलोल में पांच हजार करोड़ रुपये के निवेश के साथ नया प्लांट लगाने की है।

अधिकारियों ने दी यह जानकारी

एमजी मोटर इंडिया के मानद चेयरमैन राजीव चाबा ने कार्यक्रम के दौरान बताया कि हमने आज घोषणा की है कि हम गुजरात के हलोल में अपनी मौजूदा इकाई के पास ही अपना दूसरा प्लांट बनाने जा रहे हैं। इसके बाद कंपनी का उत्पादन एक लाख यूनिट्स से बढ़कर तीन लाख यूनिट्स तक हो जाएगा। वहीं जेएसडब्ल्यू के सज्जन जिंदल ने बताया कि हम पूरी इंडस्ट्री का खूब मंथन करने वाले हैं और हमारा विचार है कि हम हर तीन से चार महीने में एक नई कार लाएंगे। इन कारों को सिर्फ भारत के लिए ही नहीं बनाया जाएगा, बल्कि भारत में इनको बनाकर दुनियाभर में भेजा जाएगा। उन्होंने कहा कि चालीस साल पहले जब मारुति भारत आई थी, तो मारुति ने ऑटो उद्योग को बदल दिया था। कंपनी काफी ज्यादा कुशल, बहुत हल्की कारें लेकर आई थी जिससे अंबेसडर और फिएट जैसी कंपनियों को कड़ी चुनौती मिली थी। सज्जन जिंदल ने कहा कि उनको भरोसा है कि एमजी भी न्यू एनर्जी वाहनों से मारुति मूमेंट बना पाएगी। कंपनी की योजना साल 2030 तक न्यू एनर्जी वाहन सेगमेंट में 10 लाख वाहनों की बिक्री करने की है।

कैसा है पोर्टफोलियो

JSW MG मोटर्स की ओर से भारतीय बाजार में इलेक्ट्रिक वाहन सेगमेंट में देश की सबसे सस्ती कार कॉमेट के साथ ही जेडएस ईवी को ऑफर किया जाता है। वहीं आईसीई सेगमेंट में कंपनी एस्टर, हैक्टर और ग्लॉस्टर जैसे वाहनों की बिक्री करती है।

टाटा टिआगो ईवी में कंपनी ने दिए दो नए फीचर्स, सफर के दौरान मिलेगा फायदा

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक देश की प्रमुख वाहन निर्माता Tata Motors ने अपनी इलेक्ट्रिक हैचबैक कार Tiago EV में दो नए फीचर्स को जोड़ा है। कंपनी की ओर से इस अपडेट के बाद ग्राहकों को किस तरह से फायदा मिलेगा। क्या टाटा मोटर्स की ओर से नए फीचर्स जोड़ने के बाद इलेक्ट्रिक हैचबैक की कीमत में किसी तरह का बदलाव किया गया है। आइए जानते हैं।

नई दिल्ली। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक Tata Motors की ओर से ऑफर की जाने वाली इलेक्ट्रिक हैचबैक कार Tiago EV में दो नए फीचर्स को लाया गया है। क्या अपडेट करने के बाद टाटा की इस इलेक्ट्रिक गाड़ी की कीमत में किसी तरह का बदलाव किया गया है। किस वेरिएंट में इन फीचर्स को दिया जाएगा और क्या ग्राहकों को इन फीचर्स के मिलने पर फायदा मिलेगा। हम इसकी जानकारी आपको इस खबर में दे रहे हैं।

Tata Tiago EV में जुड़े नए फीचर्स

रिपोर्ट्स के मुताबिक Tata Motors की ओर से हैचबैक कार Tiago EV में दो नए फीचर्स को जोड़ा गया है। कंपनी की ओर से इस इलेक्ट्रिक कार में जिन दो नए फीचर्स को लाया गया है। उनमें ऑटो डिमिंग आईआरवीएम और फ्रंट यूएसबी टाइप सी चार्जिंग पोर्ट शामिल हैं। इन दोनों ही फीचर्स को लॉन्ग रेंज वेरिएंट्स में ऑफर किया गया है।

किन ट्रिम में मिलेंगे फीचर

टाटा की टियागो ईवी के लॉन्ग रेंज के एक्सजेड प्लस और एक्सजेड प्लस टेक लक्स ट्रिम में फास्ट चार्जिंग वाले फ्रंट यूएसबी टाइप सी चार्जिंग पोर्ट दिए गए हैं। जबकि लॉन्ग रेंज के एक्सजेड प्लस टेक लक्स ट्रिम में ऑटो डिमिंग आईआरवीएम को दिया जाएगा।

कितनी है रेंज

टाटा टियागो इलेक्ट्रिक कार के लॉन्ग रेंज वेरिएंट में कंपनी की ओर से 24kWh की क्षमता वाली बैटरी को दिया जाता है। इसमें लगी मोटर से 55 किलोवाट की पावर और 114 न्यूटन मीटर का टॉर्क मिलता है। जिससे कार को 5.7 सेकेंड में जीरो से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की स्पीड से चलाया जा सकता है।

कितनी है कीमत

कंपनी की ओर से अपनी इलेक्ट्रिक हैचबैक कार में दो नए फीचर्स दिए हैं, लेकिन इसकी कीमत में किसी तरह का बदलाव नहीं किया गया है। टियागो ईवी की एक्स शोरूम कीमत 7.99 लाख रुपये से शुरू होती है। इसके टॉप वेरिएंट की एक्स शोरूम कीमत 11.89 लाख रुपये है।

किनसे है मुकाबला

टाटा मोटर्स की टियागो इलेक्ट्रिक हैचबैक कार का भारतीय बाजार में सीधा मुकाबला सिट्रॉएन की ईसी3 और एमजी की कॉमेट ईवी से होता है।

एमजी और जेएसडब्ल्यू के ज्वॉइंट वेंचर से मिलेगी अन्य कंपनियों को चुनौती, नई कारों के लॉन्च को लेकर की बड़ी घोषणा

ब्रिटिश कार निर्माता MG मोटर्स की भारतीय ईकाई एमजी मोटर इंडिया और भारतीय कंपनी JSW के बीच Joint Venture की घोषणा हो गई है। दोनों कंपनियों ने एक कार्यक्रम के दौरान इसकी जानकारी दी है। इसके साथ ही कंपनी की ओर से नई तकनीक वाली कारों और इलेक्ट्रिक वाहनों के बारे में क्या अहम जानकारी दी है। आइए जानते हैं।

नई दिल्ली। ब्रिटेन की वाहन निर्माता कंपनी MG मोटर्स की भारतीय ईकाई एमजी मोटर इंडिया के साथ देश की प्रमुख स्टील उत्पादन कंपनी JSW के साथ ज्वाइंट वेंचर हो गया है। दोनों कंपनियों के साथ आने के बाद अब भविष्य में कंपनी की ओर से किस तरह से नए वाहनों को किस सेगमेंट में लाया जा सकता है। हम इसकी जानकारी आपको इस खबर में दे रहे हैं।

साथ आई MG और JSW

मुंबई में हुए एक कार्यक्रम के दौरान एमजी मोटर्स इंडिया और जेएसडब्ल्यू के ज्वाइंट वेंचर की घोषणा की गई है। जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के नाम से बनाई गई नई इकाई का लक्ष्य एंड-टू-एंड सप्लाई चेन मैनेजमेंट के साथ एक ईवी ईकोसिस्टम को बनाना है। जेएसडब्ल्यू ग्रुप देश में सबसे बड़ा स्टील निर्माता है।

नई कारों पर की यह घोषणा

दोनों कंपनियों के ज्वाइंट वेंचर की घोषणा के बाद अधिकारियों ने कहा कि साझेदारी का इरादा नई एनर्जी वाहनों (एनईवी) पर रहेगा। आने वाले त्योहारी सीजन के साथ ही देश में कंपनी की ओर से हर तीन से छह महीने में एक नया उत्पाद लॉन्च किया जा सकता है।

अधिकारियों ने दी यह जानकारी

एमजी मोटर इंडिया के सीईओ एमेरिटस राजीव चाबा ने कहा कि आज हम देश में सबसे तेजी से बढ़ते ओईएम में से एक हैं। यह फाउंडेशन हमें एक नए अध्याय, एमजी 2.0 को शुरू करने के लिए सशक्त बनाता है। हम भारत में एक मजबूत और टिकाऊ ईवी ईको सिस्टम के निर्माण पर ध्यान केंद्रित करते हुए आईसीई से एनईवी तक वाहनों की एक सीरीज को पेश करेंगे। वहीं जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया की संचालन समिति के सदस्य पार्थ जिंदल ने इसे एक महत्वपूर्ण संयुक्त उद्यम बताते हुए कहा कि ब्रिटिश ब्रांड की विरासत, अत्याधुनिक एमजी तकनीक और जेएसडब्ल्यू के स्थानीय विनिर्माण ज्ञान और कौशल का लाभ उठाकर जेएसडब्ल्यू एमजी भारत और दुनिया के लिए भारत में विश्व-अग्रणी उत्पाद बनाएगी।

दिखाई ये कारें

इस दौरान कंपनी की ओर से कई बेहतरीन कारों को भी शोकेस किया गया। एमजी के साइबरस्टर इलेक्ट्रिक कॉन्सेप्ट को भी कार्यक्रम के दौरान शोकेस किया गया।

'ज्ञान' पर योगी सरकार का पूरा फोकस

उमेश चतुर्वेदी

उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार की सात साल की उपलब्धियों और कार्यों पर गौर करें तो पता चलता है कि इस सरकार का पूरा फोकस गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी शक्ति पर रहा है। योगी सरकार की इस उपलब्धिय को संक्षेप में ज्ञान यानी जीवाईएएन के रूप में भी देखा जा सकता है।

योगी सरकार के कार्यकाल में ही उत्तर प्रदेश में दो और उल्लेखनीय कार्य हुए। वाराणसी के काशी विश्वनाथ कारीडोर का दो साल पहले उद्घाटन हुआ। करीब सात सौ करोड़ रूपए की लागत से बने इस कारीडोर के चलते काशी में ना सिर्फ आस्था, बल्कि कारोबार का भी सैलाब उमड़ पड़ा है।

उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार की सात साल की उपलब्धियों और कार्यो पर गौर करें तो पता चलता है कि इस सरकार का पूरा फोकस गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी शक्ति पर रहा है। योगी सरकार की इस उपलब्धिय को संक्षेप में ज्ञान यानी जीवाईएएन के रूप में भी देखा जा सकता है। जी से गरीब, वाई से युवा, ए से अन्नदाता और एन से नारी शक्ति। यह ठीक है कि युवा शक्ति को इस दौरान नौकरियों के लिए जूझना जरूर पड़ा है। पुलिस भर्ती परीक्षा के पेपर लीक की वजह से उसे परेशानी भी हुई है। लेकिन इसके बावजूद योगी सरकार का समूचा फोकस इन्हीं चार विषयों पर केंद्रित रहा है।

उत्तर प्रदेश की योगी सरकार के लिए अच्छी बात यह रही कि केंद्र में पहले से ही उसकी पार्टी की सरकार थी। इसकी वजह से उसे अपनी योजनाओं को लागू करने में किसी रोकटोक का सामना नहीं करना पड़ा। राज्य सरकार ने 2017 में अपनी शुरूआत से ही केंद्र द्वारा शुरू की गई गरीब समर्थक योजनाओं के कार्यान्वयन में जोर लगा दिया। जिसमें उज्ज्वला योजना के तहत गैस कनेक्शन देने, शौचालय निर्माण के के साथ ही रेहड़ी-पटरी वालों के लिए रियायती कर्ज और हर जल नल कनेक्शन देने में इस सरकार ने पूरा जोर लगा दिया। राज्य सरकार केंद्र की 44 योजनाओं को लागू करने में अव्वल है। राज्य में उज्ज्वला योजना के तहत अब तक पौने दो करोड़ परिवारों को गैस कनेक्शन मिल चुके हैं। जबकि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत राज्य में 55 लाख 83 हजार से ज्यादा मकान बने हैं। राज्य में स्वच्छ भारत मिशन के तहत पौने तीन करोड़ से ज्यादा शौचालय बनाए गए हैं। उत्तर प्रदेश के देहाती इलाकों में इन शौचालयों को टायलेट या शौचालय की बजाय सहजता से इज्जत घर कहा जा रहा है। हर घर नल योजना के तहत राज्य के दो करोड़ पांच लाख घरों तक पानी का कनेक्शन इन सात सालों में ही दिया गया। इसके साथ ही 17 लाख 62 हजार रेहड़ी-पटरी वालों को रियायती दर पर कर्ज मिला है। उत्तर प्रदेश में एक और योजना बहुत तेजी से लागू की गई है। केंद्र सरकार के आयुष्मान भारत योजना के तहत राज्य के नौ करोड़ लोगों को पांच लाख रूपए तक का चिकित्सा बीमा की सहूलियत मिली है।

उत्तर प्रदेश में योगी सरकार आने के पहले तक बिजली आपूर्ति की स्थिति बेहद खराब थी। पूरे राज्य में लखनऊ और इटावा-सैफई ही ऐसी जगहें थीं, जहां सुचारू बिजली आपूर्ति होती थी। राज्य को सबसे ज्यादा राजस्व देने वाले नोएडा, गाजियाबाद, मेरठ, कानपुर आदि के उद्योगों के लिए भी बिजली सहजता से उपलब्ध नहीं थी। लेकिन इस बीच स्थितियां सुधरी हैं। अब गांवों तक रोजाना 16 से 18 घंटे तक बिजली मिल रही है। राज्य में बिजली आपूर्ति के सरंजाम बेहद पुराने हैं। बलिया समेत पूर्वी जिले में स्थानीय आपूर्ति करने वाले ट्रांसमिशन सिस्टम जर्जर हो चुके हैं। इसकी वजह से यदा-कदा गड़बड़ियां होती हैं। अलबत्ता कुल मिलाकर स्थिति सही है। इसका असर औद्योगिक उत्पादन पर भी पड़ा है। राज्य में उद्योग पनप रहे हैं। इसका प्रत्यक्ष और परोक्ष लाभ राज्य की जनता को मिल रहा है। इसी क्रम में कह सकते हैं कि राज्य सरकार ने 2024-25 के लिए एक हजार करोड़ के प्रावधान के साथ युवा उद्यमी विकास योजना शुरू की गई है। राज्य सरकार को उम्मीद है कि इससे राज्य में युवा कारोबार और उद्योग की ओर उन्मुख होंगे, जिसका फायदा राज्य के युवाओं को रोजगार के रूप में मिलेगा। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के क्रियान्वयन में उत्तर प्रदेश देश में प्रथम स्थान पर है। इस योजना में 2 करोड़ 68 लाख किसानों को अब तक 68 हजार 135 करोड़ रुपये दिए जा चुके हैं। इसी तरह राज्य में मिशन शक्ति, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, गरीबों की बेटियों के लिए विवाह अनुदान योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना समेत कई योजनाओं से लाखों महिलाओं को फायदा हुआ है।

योगी सरकार के कार्यकाल में ही उत्तर प्रदेश में दो और उल्लेखनीय कार्य हुए। वाराणसी के काशी विश्वनाथ कारीडोर का दो साल पहले उद्घाटन हुआ। करीब सात सौ करोड़ रूपए की लागत से बने इस कारीडोर के चलते काशी में ना सिर्फ आस्था, बल्कि कारोबार का भी सैलाब उमड़ पड़ा है। देसी तीर्थ यात्रियों की संख्या बढ़ी है। ऐसा अनुमान है कि रोजाना करीब एक लाख देसी सैलानी सामान्य दिनों में वाराणसी आ रहे हैं। इसका सीधा फायदा यहां के परिवहन, होटल, खानपान और शिल्पकारी के कारोबार पर पड़ा है। इसी तरह बीते 22 जनवरी को अयोध्या में रामलला के मंदिर का उद्घाटन हुआ। तीर्थ क्षेत्र अयोध्या का विकास भी हो रहा है। यहां भी रोजाना लाखों तीर्थ यात्री आ रहे हैं। जिनकी वजह से इलाके में रोजगार और कारोबार की संभावनाएं बेहतर हो रही हैं।

2017 में योगी आदित्यनाथ के सत्ता संभालने के बाद ही राज्य के पूर्वांचल एक्सप्रेसवे और बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे का निर्माण पूरा हुआ। इसमें गंगा एक्सप्रेसवे का नाम सबसे आगे है। इसके साथ ही राज्य से होकर दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे गुजरने वाला है। जिस पर तेजी से काम जारी है। इसी तरह लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे, गाजियाबाद-कानपुर एक्सप्रेसवे और गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे पर काम चल रहा है। इसके साथ ही गोरखपुर-सिलीगुड़ी एक्सप्रेसवे, दिल्ली- सहारनपुर-देहरादून एक्सप्रेसवे और गाजीपुर-बलिया-मांझीघाट एक्सप्रेसवे की भी तैयारी है। हाल ही में गोरखपुर-शामली एक्सप्रेसवे के रूप में राज्य के सबसे लंबे एक्सप्रेसवे बनाने को लेकर भी तैयारियां जोरों पर है। आदित्यनाथ सरकार के दौरान राज्य की कानून व्यवस्था भी पहले की तुलना में दुरूस्त हुई है। इसकी वजह से राज्य एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

उत्तर प्रदेश के विपक्षी दलों का आरोप है कि राज्य में स्थानीय स्तर पर भ्रष्टाचार खूब है। हालांकि यह भी सच है कि भ्रष्टाचार की जानकारी होने के बाद कार्यवाही भी खूब हो रही है। बेशक राज्य ने इन सात सालों में बहुत उपलब्धियां हासिल की हैं। लेकिन अभी बहुत कुछ हासिल किया जाना बाकी है। इसके लिए राज्य सरकार को अपनी प्रशासनिक मशीनरी को दुरूस्त और चाकचौबंद रखना होगा। क्योंकि नीतियों और योजनाओं को जमीनी हकीकत यह मशीनरी ही बनाती है। मशीनरी कई बार जानबूझकर तो कई बार अकुशल होने के चलते योजनाओं को सही तरीके से लागू नहीं कर पाती। जिसकी वजह से बेहतर नीतियों का जमीनी फायदा नहीं मिल पाता। योगी सरकार इस दिशा में भी काम कर रही है। चिकित्सा व्यवस्था और शिक्षा व्यवस्था को भी दुरूस्त किया जा रहा है। उम्मीद की जानी चाहिए कि योगी सरकार के प्रयास और तेज होंगे, ताकि उत्तर प्रदेश के लोगों की जिंदगी को और ज्यादा खुशहाल बनाया जा सके।

संपादक की कलम से

परिसर में हिंसक भीड़

आज एक ऐसा मुद्दा उठा रहे हैं, जो हमारे शिक्षण-संस्थानों के भीतर हिंसक भीड़ और उनके हमलों से जुड़ा है। यह भीड़ हमारी संस्कृति और हमारे मूल्यों से जुड़ी नहीं है, बल्कि एक देश के तौर पर हमें कलंकित करती है। जब मामला विदेशी छात्रों पर हिंसक हमले का सामने आता है, तब हमारे चिंता और सरोकार बढ़ जाते हैं। चूंकि दुनिया एक कुटुम्ब की तरह, आपस में अंतरंग रूप से, जुड़ रही है, लिहाजा यह उच्च शिक्षा संस्थानों और विश्वविद्यालयों की बुनियादी जिम्मेदारी बन जाती है कि वे अधिक शांतिपूर्ण, सहिष्णु, समावेशी, सुरक्षित और स्थिर समाज के कारक और प्रोत्साहक बनें। यह राष्ट्रीय शिक्षा नीति (2020) का सिद्धांत और ब्रह्मवाक्य भी है। बीते शनिवार को गुजरात यूनिवर्सिटी के अहमदाबाद परिसर में एक भीड़ ने 5 विदेशी छात्रों पर तब हमला किया, जब वे रमजान के पाक महीने में नमाज पढ़ रहे थे। ऐसे हमले हमारी शिक्षा नीति के सिद्धांत, उसकी प्रतिबद्धता और आश्वासन को खंडित करते हैं। वीडियो में करीब 25 युवा छात्र विदेशी छात्रों पर हमले करते दिख रहे थे। श्रीलंका, अफगानिस्तान और तुर्कमेनिस्तान के 1-1 घायल छात्र को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। यकीनन यह आपराधिक घटना थी और विश्वविद्यालय के परिसर में कानून-व्यवस्था का सरासर उल्लंघन किया गया। फिर भी विश्वविद्यालय प्रशासन ने कानून को हाथ में लेकर लीपापोती की कोशिश की।

हालांकि दो आरोपितों को गिरफ्तार किया गया, लेकिन भारत सरकार के विदेश मंत्रालय ने सिर्फ यह बयान दिया कि वह गुजरात सरकार के संपर्क में है। वह और कर भी क्या सकता था? दूसरी आश्चर्यजनक प्रतिक्रिया यह सामने आई कि हिंसक हमले के पीड़ितों को ही 'दोषी' करार देने की कोशिश की गई। मुद्दा यह है कि ऐसा हमला विदेश में भारतीय छात्रों के साथ भी हो सकता था। ऐसी घटनाएं होती भी रही हैं। तब हम कैसा महसूस करते हैं? हम तसल्ली देते रहे हैं कि ऐसी घटनाएं परंपरा और सिलसिलेवार नहीं हैं। ये अपवाद के तौर पर होती हैं। बेशक ये कानून का कठोर उल्लंघन हैं। ऐसी ही तसल्ली हमें विदेशी छात्रों को देनी चाहिए। हालांकि हमले के तुरंत बाद कुलपति नीरजा गुप्ता ने विदेशी छात्रों को आश्वस्त किया कि वह उन्हें एक अलग होस्टल में शिफ्ट कर देंगी। विदेशी छात्रों की सुरक्षा के लिए यह बेहद जरूरी है। यह भी कोई सौहार्द का कदम नहीं है। छात्रों को आपस में घुल-मिल कर रहना और पढना सीखना चाहिए, लेकिन कुलपति ने यह आत्ममंथन नहीं किया कि विदेशी छात्रों पर हमले क्यों और कैसे किए गए? विदेशी छात्र कोई भी हों, उन्हें सांस्कृतिक तौर पर संवेदनशील होना ही चाहिए। इस घटना ने साबित कर दिया है कि हमें अब भी सांस्कृतिक अनुकूलन की जरूरत है। क्या यह दायित्व विदेशी छात्रों का है?

हमारे संविधान में धार्मिक आजादी का मौलिक अधिकार बहुत महत्वपूर्ण है, लिहाजा नमाज पढने वालों की स्वतंत्रता और गरिमा का भी सम्मान किया जाना चाहिए था। सवाल तो यह भी है कि विश्वविद्यालय परिसर में भीड़ कहां से आई, हथियार कहां से आए? यदि भीड़ वाले भी वहीं के छात्र थे, तो उन पर क्या कार्रवाई की गई? भीड़ घटनास्थल से आराम से चली कैसे गई? भारत के बहुत कम विश्वविद्यालय वैश्विक स्तर पर 'सर्वश्रेष्ठ' आंके गए हैं। कमोबेश गुजरात यूनिवर्सिटी उनमें से एक नहीं है। सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालय वही हो सकते हैं, जो विचारों की स्वतंत्रता और बहस की आजादी पर आधारित शिक्षा परोसने की बात करते हैं और उन कसौटियों पर खरे भी उतरते हैं। भीड़ और उसकी हिंसा विचारों की अभिव्यक्ति और उसके विस्तार में विश्वविद्यालय के विचार को ही खत्म कर देती है। यदि राष्ट्रीय शिक्षा नीति को सार्थक साबित करना है, तो हमें अपने व्यवहार, मुक्ति, जिम्मेदारी, बहुवाद, समानता और न्याय के भावों को सुनिश्चित करना होगा। करीब 50,000 विदेशी छात्र भारत में पढ़ रहे हैं। 'विकसित भारत' का सपना साकार करना है, तो हमें आर्थिक तौर पर ही नहीं, बल्कि सांस्कृतिक आधार पर भी बदलना होगा।

राय

हर पल अदालत तक

यहां धुंध का धुंध से संघर्ष, लोग जीत देखने को बीच में खड़े। फिलहाल हिमाचल में केवल लोकसभा या विधानसभा उपचुनाव का डंका नहीं बज रहा, बल्कि निगाहें ढूंढ रही हैं हारी हुई चरागाहें। यहां अंदेशा और अंदाजा एक साथ समीकरणों की खींचतान कर रहा है। हर पल के कदम अदालत तक पहुंचे हुए, कल तक कयास में थे कि बागी विधायकों को कानून का कितना फैसला मिलता, लेकिन आज फासला बढ़ गया। सुप्रीम कोर्ट ने 18 मार्च तक की उम्मीदों को कोई राहत भले ही नहीं दी, लेकिन छह मई के दिन हिमाचल विधानसभा अध्यक्ष की कानूनी भूमिका की फिर से परख होगी। हालांकि इस बीच चुनाव की तिथियों में लोकसभा के साथ नत्थी हो चुका उपचुनाव और सियासी गहमागहमी के बीच सियासी मुद्राएं, मुकुट और मकसद प्रकट हो गए हैं। हम उपचुनाव को छह मई तक अब इसलिए सुनिश्चित नहीं कर रहे, क्योंकि कानूनी प्रक्रिया में चुनाव की अधिसूचना सात मई को होगी। यानी धडक़नें अब गोल्फ गेंद की तरह उछल रही हैं, फिर भी असमंजस के शिकार हुए अयोग्य विधायकों को कानून की योग्यता से कानून की प्रक्रिया तक चलते रहना होगा। हिमाचल में कई कानूनी किश्तियां दौड़ रही हैं। विधानसभा अध्यक्ष के जिस फैसले पर छह विधायकों का भविष्य चोट खा रहा है, उसके संदर्भों में सुप्रीम कोर्ट का नोटिस सदन के पीठासीन से जवाब मांग रहा है। अठाईस फरवरी की सर्द हवा अब छह मई की गर्माहट के सामने खुद में कितना कानून सामने रख पाती है, यह देखना होगा। यह दीगर है कि दूसरी ओर भाजपा के नौ विधायकों द्वारा सदन में समझे गए खेदजनक व्यवहार पर जवाब देने का औचित्य विधानसभा अध्यक्ष की कुर्सी सुन सकती है। यहां राजनीति के आने अब पाई साबित हो रहे हैं, तो चारों ओर तांडव नृत्य जैसा शोर मचा है। एक तरह से अब हिमाचल कहां लोकसभा चुनाव में खुद को देख रहा है। जिन मतदाताओं ने कांग्रेस को छह विधायक दिए, वे सभी गौण हैं। अब वकील हैं, वकालत है, अदालत है और इन सबके बीच विधानसभा के कक्ष में लोकतंत्र का अधिकार गूंज रहा है। हिमाचल सरकार का मोह, महत्त्व और महत्त्वाकांक्षा भी अब कानून की फेहरिस्त में सीपीएस नियुक्तियों पर अगली सुनवाई के इंतजार में है। सीपीएस को मंत्रियों वाली सुविधाएं लेने पर रोक के बावजूद पद के लाभार्थी यानी संजय अवस्थी, सुंदर सिंह, राम कुमार, मोहन लाल ब्राक्टा, आशीष बुटेल और किशोरी लाल के खिलाफ दी गई चुनौती पर अंतिम फैसले की दरकार है। लाभ के पदों की ख्वाहिश ने जिन्हें निराश किया, वे तमाम योद्धा असंतुष्ट होते-होते बागी बागीचों में गुम हैं, तो जिन्हें सरकार ने पोसा, उनकी हैसियत को भाजपा ने अदालत में खड़ा कर दिया। हिमाचल की राजनीति के कई पांव हम देख सकते हैं। यही पांव क्रॉस वोटिंग तक पहुंचे, तो सदन से अयोग्य हो गए और सर्वोच्च न्यायालय पहुंचे, तो बीच में चुनाव के शंख बज गए। इधर सत्ता के सामने भाजपा के नौ विधायकों के पांवों में निष्कासन के छाले उभरे हैं, तो उच्च अदालत के रास्ते पर कांटों पर चलते हुए मुख्य संसदीय सचिव अपने पांव बचा रहे हैं। चारों तरफ अदालतें ही अदालतें और कोशिश व कयास यह कि दूसरा पक्ष हलाल हो जाए। उस जनादेश का नामोनिशान मिट जाए जो जनता को मतदान केंद्र पर दुआएं करता हुआ देखता है। विचित्र परिस्थितियों में हिमाचल और विपरीत परिस्थितियों के चुनाव में हर किसी का पांव फंसा है। यहां कई तरह के बुरे दिन देखे जा रहे हैं। कई तरह के फार्मूले। ऐसे में हिमाचल पर लोकसभा से भी भारी हो सकते हैं उपचुनाव। सत्ता की संपत्ति समझे सीपीएस मामले के सामने आक्रोश की राजनीति में डूबने निकले विधायक आखिर अब होंगे किसकी संपत्ति। उपचुनाव की स्थिति अगर कानूनी जंग तक पहुंचा गई, तो चुनाव के अभ्यास मैच में टिकट आबंटन की बाउंडरी के उस पार कई टूटे हुए दिल और हारे हुए मकसद मिलेंगे।

मतदाता खड़ा बाजार में

अबके फिर चुनाव घोषित हुए तो वे फिर आए। मुस्कुराते हुए ! गुनगुनाते हुए ! अपने चमचों के साथ बल खाते हुए। इतराते हुए। आते ही वे मेरे गले पड़े। मेरे पांव छूते पूछे, 'और दाता ! क्या हाल हैं? माफ करना ! मुझे फिर आना पड़ा। सच कहूं ये चुनाव न हुआ करते तो बार बार तुम्हें कष्ट देने न आना पड़ता। पर चलो ! इस बहाने तुम्हारे दर्शन प्राप्त करने का सौभाग्य तो मिल जाता है।' 'ठीक हूं महाराज !' मैंने हाथ जोड़े। क्योंकि जानता हूं जिस तरह पानी में रहते मगर से बैर नहीं लेना चाहिए, उसी तरह लोकतंत्र में रहते हुए इनसे से तो क्या, इनके चमचों तक से भी बैर नहीं लेना चाहिए। 'भाभी जी कैसी हैं? उनकी टांग की दर्द ठीक हुई कि नहीं?' 'अब कुछ कुछ ठीक है।' 'मेरी बिटिया रानी कैसी है?' 'ठीक है।' 'कौनसी क्लास में हो गई है?' 'दसवी में।' 'जब पिछली दफा आया था तो इतनी सी थी। जब कॉलेज जाएगी तो उसे साइकिल मेरी तरफ से। मेरी बिटिया पैदल कालेज जाए ऐसा नहीं हो सकता। और गाय कैसी है? दूध दे रही है न? अबके उसके क्या हुआ है? तुम्हारी तरह का बच्चा कि भाभी जैसी बच्ची?' 'दे रही है आपकी तरह जोर जबरदस्ती करने के बाद कभी कभी। बच्ची हुई थी। डंगर डॉक्टर की दवाई से मर गई।' 'बहुत दुःख हुआ सुनकर ! डॉक्टर का नाम बताओ। अभी उसे नक्सलवादी इलाके में ट्रांसफर करता हूं। भगवान ! बच्ची की आत्मा को शांति प्रदान करें। चुनाव खत्म होते ही मैं बच्ची की आत्मा को भगवान के चरणों में जगह देने के लिए भगवान से सिफारिश करूंगा। तुम चिंता मत करना। रे कलुआ ! नोट कर। और बेटा आजकल क्या कर रहा है?' 'कुछ नहीं ! बीए करने के बाद आवारा घूम रहा है।'

'कोई बात नहीं। अब मैं आ गया हूं न ! मेरे जीतते ही उसे मेरे पास भेज देना। सरकारी नौकरी में लगवा दूंगा पर्चे दिए बिना ही, और भी कलक्टर ! और हां ! वह गांधी की बकरी की नस्ल की बकरी कहीं दिख नहीं रही? क्या तुमने वह बेच दी जिसके दूध की तुमने पिछली दफा मुझे चाय पिलाई थी। वाह ! क्या दूध है उसका। दूध नहीं, अमृत है अमृत ! पूरे पांच साल चुस्त दुरुस्त रहा। एक बार जो उसके दूध की चाय पी ले उसे पांच साल तक किसी का भी दूध पीने की जरूरत न पड़े। गांधी जी ऐसे ही बकरी नहीं पालते थे भोंदू ! बकरी पालना गांधी होना है। बकरी में गांधी के सिद्धांत वास करते हैं। आज की तारीख में हर नेता बकरी हो सकता है, पर गांधी नहीं। आज हर नेता को बकरी होने की नहीं, गांधी होने की जरूरत है। मेरी तरह। पर बंधु ! आज गांधी होना ही कौन चाहता है?' हालांकि मैं अपने भीतर के जागरूक मतदाता को चुप कराने की बहुत कोशिश कर रहा था, पर एक वह था कि लाख दबाने के बाद भी दबी जुबान में मेरी जुबान पर आ बोल ही पड़ा, 'देखो नेता जी ! अब मैं कोरा मतदाता नहीं। मतदाता जागरूकता अभियान के चलते अब मैं जागरूक मतदाता हो गया हूं।' 'गुड ! जागरूक होना हर मतदाता का धर्म है। अपने हित में उसे जागरूक होना ही चाहिए। इसीलिए तो हमने गधों को जागरूक करने के इरादे से गधा जागरूकता अभियान चलाया। क्योंकि हम जानते हैं कि गधे जागरूक तो देश जागरूक। इसीलिए तो हमने सियारों को जागरूक करने के इरादे से सियार जागरूकता अभियान चलाया।

क्योंकि हम जानते हैं कि सियार जागरूक तो देश जागरूक। इसीलिए तो हमने गिरगिटों को जागरूक करने के इरादे से गिरगिट जागरूकता अभियान चलाया। क्योंकि हम जानते हैं कि गिरगिट जागरूक तो देश जागरूक। हम तो चाहते हैं कि हमारे देश की चींटी भी जागरूक हो।' 'पर अबके मैं देश को वोट देना चाहता हूं। मेरा देश किधर है?' 'तुम्हारे सामने हाथ जोडक़र ही तो खड़ा है मेरे दाता ! अपने दिव्य चक्षु खोलो मेरे परम पूजनीय ! मैं ही तुम्हारा देश हूं मेरे भगवन ! मोको कहां ढूंढे रे वोटर, मैं तो तेरे पास में ! भगवान ने इस देश में सबको खास मकसद से भेजा है। जनता को वोट पाने के मकसद से और हमें देश चलाने के मकसद से। ये लो हर मतदाता पांच हजार !' 'पर ये तो बिकना है', मैंने कभी हाथ आगे तो कभी पीछे करते कहा तो वे मुस्कुराते बोले, 'बिकने में ही जीवन की सार्थकता है वोटर ! यहां जो बिकता नहीं वह पिटता है, क्या सडक़ में, क्या संसद में। कम हैं? तो पांच और रखो दाता ! चुनाव कौन से रोज रोज होने हैं। हम पांच साल कमाते किसलिए हैं? चुनाव में अपने नारायणों में बांटने को ही तो।'

अशोक गौतम

जल है तो कल है

जलाशय, बावडियां, कुएं, हैंड पंप तथा विभागीय आपूर्ति स्रोतों का रखरखाव जरूरी होने के साथ इनके इर्द-गिर्द पसरती गंदगी को रोकने के लिए समुदाय को ही चौकन्ना होना पड़ेगा। वैदिक संस्कृति में जल का महत्व आचमन से लेकर वृष्टि यज्ञ तक है। जल के बिना जीवन संभव नहीं है। हमारी संस्कृति में जल को देवता कहा गया है। धार्मिक अनुष्ठान, विवाह आदि मांगलिक कार्य जल पूजन से ही शुरू होते हैं। शुद्ध पेयजल महा औषधि बनकर शरीर को स्वस्थ रखता है। इस वर्ष 2024 का थीम 'वॉटर फॉर पीस' है। जल क्षेत्र में तेजी और तत्कालीनता के साथ-साथ शांति के लिए जल के महत्व को समझना इसलिए आवश्यक है क्योंकि धरती पर मौजूद हर प्राणी पानी पर निर्भर है। समाज में जागरूकता के लिए सामुदायिक आंदोलन हो'

बाईस मार्च विश्व जल दिवस, जल के लिए जागरूक करने का एक और दिन। एक और अवसर यह समझने के लिए कि पानी के बिना जीवन संभव नहीं। दुनिया की आधी जनसंख्या अभी भी पर्याप्त एवं अशुद्ध जल की समस्या से जूझ रही है। पानी की उपलब्धता और इसकी गुणवत्ता की ओर विश्व भर में जल प्रबंधन से संबंधित जल वैज्ञानिक, इंजीनियर, समाज सुधारक, प्रशासक एवं जल योद्धा इस विकट समस्या के समाधान के लिए प्रयत्नशील हैं। संयुक्त राष्ट्र की आम सभा ने 1992 में हर वर्ष 22 मार्च को विश्व जल दिवस मनाने का संकल्प प्रत्येक जनमानस को पानी के लिए जागरूक करने के लिए लिया है। जल वैज्ञानिकों एवं विचारकों का मत है कि जल की उपलब्धता निरंतर कम हो रही है, और जल का उपयोग करने वाले निरंतर बढ़ रहे हैं। फलस्वरूप प्राणियों में जल संकट की स्थिति बन रही है। जल संसाधन के अनुचित प्रयोग से सारा संसार चिंतित है। अगर इसी तरह जल की बर्बादी का प्रचलन रहा तो जल की कमी के कारण न केवल अनाज बल्कि दूसरी वनस्पतियां भी प्रभावित हो जाएंगी। पानी से लबालब दिखने वाली पृथ्वी पर सचमुच में लगभग एक प्रतिशत से भी कम मृदु जल है, जो झीलों, तालाबों, नदियों एवं भूमिगत जल के रूप में उपलब्ध है। इसलिए पानी की बूंद-बूंद को बचाने के लिए सजग होना पड़ेगा। पानी की कमी न केवल भारत देश में हो रही है, बल्कि पूरे संसार में इसकी कमी से हाहाकार मचा हुआ है। अगर हम पानी की कमी की बात करें तो पानी का गंभीर संकट झेलने वाले प्रमुख देश अपने क्रम के अनुसार कतर, इजरायल, लेबनान, ईरान, लीबिया, कुवैत, सऊदी अरब, यूएई, बहरीन, भारत, पाकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान और ओमान हैं।

भारत के कर्नाटक राज्य का बेंगलुरु शहर पिछले कुछ दिनों से पानी की भारी कमी का सामना कर रहा है। वल्ड रिसोर्स इंस्टीट्यूट (डब्ल्यूआरआई) ने भारत के कुछ राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को अत्यंत उच्च जल तनाव वाले क्षेत्र के रूप में वर्गीकृत किया है। इनमें चंडीगढ़, हरियाणा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, पंजाब, मध्य प्रदेश और गुजरात शामिल हैं। रिसर्च के मुताबिक अगर जलवायु परिवर्तन पर वैश्विक स्तर पर ध्यान नहीं दिया गया और उसे अनुकूल बनाने की तत्काल कोशिश नहीं की गई तो भारत के ही 30 से ज्यादा शहर भारी जल संकट का सामना करने को मजबूर होंगे। हमारे देश में 50 मिलीलीटर से भी अधिक वर्षा होती है। हमारे सामने बहुमूल्य वर्षा का जल बिना उपयोग किए बह जाता है और हम बूंद-बूंद को तरसते हैं। वर्षा के पानी को प्रयोग करने की तकनीक को विकसित करना आवश्यक है और इसे जल आंदोलन बनाने की आवश्यकता है। वर्षा जल संरक्षण में संग्रहण से न केवल अन्य स्रोतों पर दबाव कम हो सकता है, बल्कि इससे भूमिगत जल का स्तर एवं भंडारण भी बढ़ाया जा सकता है। भूजल में बढ़ोतरी करने हेतु वर्षा जल के दोहन के लिए पहल स्वरूप सरकार ने सभी सरकारी भवनों में वर्षा जल संग्रहण प्रणाली को कानूनी रूप से अनिवार्य कर दिया है। जल प्रबंधन का दूसरा महत्वपूर्ण पहलू पेयजल की गुणवत्ता बनाए रखने का है। कोई भी जलापूर्ति योजना, जल स्रोत के जल का पूर्ण परीक्षण किए बिना प्रारंभ नहीं की जाती है और समय-समय पर स्रोतों के जल का परीक्षण किया जाता है, लेकिन जब तक जल स्रोतों के रखरखाव तथा निगरानी में जन सहयोग और पंचायत स्तर पर समुदाय का सहयोग प्राप्त नहीं होगा, तब तक जल की गुणवत्ता पूर्ण रूप से सुनिश्चित करना कठिन कार्य है। समुदाय जल गुणवत्ता के महत्व को समझें तथा जल स्रोतों के जल का स्वयं परीक्षण करें और यदि जल में प्रदूषण पाया जाता है तो उसके निदान के लिए प्रयास करें। प्रत्येक पेयजल स्त्रोत का स्वच्छता सर्वेक्षण के साथ इनका बैक्टीरिया एवं रासायनिक परीक्षण करना आवश्यक है।

जलाशय, बावडियां, कुएं, हैंड पंप तथा विभागीय आपूर्ति स्रोतों का रखरखाव जरूरी होने के साथ इनके इर्द-गिर्द पसरती गंदगी को रोकने के लिए समुदाय को ही चौकन्ना होना पड़ेगा। वैदिक संस्कृति में जल का महत्व आचमन से लेकर वृष्टि यज्ञ तक है। जल के बिना जीवन संभव नहीं है। हमारी संस्कृति में जल को देवता कहा गया है। धार्मिक अनुष्ठान, विवाह आदि मांगलिक कार्य जल पूजन से ही शुरू होते हैं। शुद्ध पेयजल महा औषधि बनकर शरीर को स्वस्थ रखता है। इस वर्ष 2024 का थीम 'वॉटर फॉर पीस' है। जल क्षेत्र में तेजी और तत्कालीनता के साथ-साथ शांति के लिए जल के महत्व को समझना इसलिए आवश्यक है क्योंकि धरती पर मौजूद हर प्राणी पानी पर निर्भर है। जल के प्रति समाज को जागरूक करने के लिए सामुदायिक आंदोलन की जरूरत है। ताजा खबरें हैं कि इस बार भारत में ग्लोबल वार्मिंग के कारण बसंत का मौसम अपनी निर्धारित अवधि से पहले ही खत्म हो गया। यह ग्लोबल वार्मिंग के बढ़ते खतरों का परिणाम है। यह उन लोगों के लिए एक चेतावनी भी है जो जल को बर्बाद करने में लगे रहते हैं। आशंकाएं है कि इस बार भारत में गर्मियां जल्द आने से पेयजल का गंभीर संकट पैदा हो सकता है। इसलिए हर किसी को सतर्क होना चाहिए।

निखिल शर्मा
स्कूल प्रिंसीपल

सोने-चांदी की कीमतों में मामूली बढ़त, 66320 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंचा गोल्ड

20 मार्च 2024 को देश के सभी शहरों में सोने-चांदी के नए रेट जारी हो गए हैं। आज वायदा कोराबार में सोने की कीमतों में तेजी देखने को मिली है जबकि चांदी कीमतों में नरमी आई है। ऐसे में अगर आप गोल्ड या सिल्वर खरीदने का सोच रहे हैं तो आपको एक बार अपने शहर के लेटेस्ट रेट को जरूर चेक करना चाहिए।

नई दिल्ली। सोने और चांदी के नए दाम जारी हो गए हैं। बुधवार को राजधानी दिल्ली में सोने की कीमत 70 रुपये बढ़त के साथ 66,320 रुपए प्रति दस ग्राम पर पहुंच गई। वहीं, बात करें चांदी की तो इसमें 150 रुपये की तेजी देखने को मिली है। इसके बाद चांदी कीमत 76,650 रुपये प्रति किलो पर पहुंच गई।

वायदा कारोबार में सोना

वायदा कारोबार में बुधवार को सोने की कीमत 34 रुपये बढ़कर 65,617 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर, अप्रैल डिलीवरी वाले सोने के अनुबंध की कीमत 34 रुपये या 0.05 प्रतिशत बढ़कर 65,617 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई, जिसमें 12,636 लॉट का कारोबार हुआ।

विश्लेषकों ने कहा कि प्रतिभागियों द्वारा ताजा पोजीशन बनाए जाने से सोने की कीमतों में बढ़ोतरी हुई। वैश्विक स्तर पर, न्यूयॉर्क में सोना वायदा 0.08 प्रतिशत बढ़कर 2,183 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस हो गया।

वायदा कारोबार में चांदी

बुधवार को चांदी की कीमतें 97 रुपये गिरकर 75,190 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गईं। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में, मई डिलीवरी के लिए चांदी अनुबंध 25,610 लॉट के कारोबार में 97 रुपये या 0.13 प्रतिशत की गिरावट के साथ 75,190 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गया।

वैश्विक स्तर पर, न्यूयॉर्क में चांदी 0.16 प्रतिशत की गिरावट के साथ 25.10 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही थी।

अगले हफ्ते खुले रहेंगे इन्कम टैक्स डिपार्टमेंट के दफ्तर गुड फ्राइडे के साथ शनिवार-रविवार की छुट्टियां भी रद्द

इस साल 29 मार्च 2024 को Good Friday और 30-31 मार्च को शनिवार रविवार है। ऐसे में इस लॉन्ग वीकेंड को लेकर आयकर विभाग ने एक सर्कुलर जारी किया। चालू वित्त वर्ष खत्म होने वाला है ऐसे में विभाग ने टैक्स से जुड़े कामों को पूरा करने के लिए यह फैसला लिया गया है। पढ़ें पूरी खबर...

नई दिल्ली। अगले हफ्ते लॉन्ग वीकेंड के साथ चालू वित्त वर्ष का आखिरी दिन भी है। विभाग ने वित्त वर्ष को देखते हुए अगले हफ्ते के लॉन्ग वीकेंड को भी इनकम टैक्स ऑफिस खोलने कै फैसला लिया है।

इसको लेकर आज विभाग (Income Tax Department) ने एक सर्कुलर जारी कर जानकारी दी है कि 29 से 31 मार्च 2024 को सभी आयकर दफ्तर खुले रहेंगे।

इस बार 29 मार्च 2024 को गुड फ्राइडे (Good Friday) है। 30 मार्च को शनिवार और 31 मार्च को रविवार है। वहीं दूसरी तरफ 31 मार्च 2024 को चालू वित्त वर्ष 2023-24 का आखिरी दिन है, इस वजह से आयकर विभाग ने लॉन्ग वीकेंड को कैंसिल (Long weekend cancelled) करने का फैसला लिया है। बता दें कि अगर विभाग द्वारा यह फैसला नहीं लिया जाता तो टैक्सपेयर को टैक्स से जुड़े काम को निपटाने के लिए केवल 3 दिन का ही समय मिलता है। इस हफ्ते भी होली (Holi 2024) की वजह से सोमवार को सभी आयकर विभाग के ऑफिस बंद रहेंगे। ऐसे में टैक्सपेयर्स को सुविधा देने के लिए विभाग द्वारा यह कदम उठाया गया है।

करदाता को निपटाना है ये काम

31 मार्च 2024 तक करदाता को टीडीएस कटौती के लिए सर्टिफिकेट को जमा करना होगा।

इसके अलावा टैक्स सेविंग प्लान (एफडी, ईएलएसएस, यूलिप, पीपीएफ, एससीएसएस, एनएससी) में निवेश करने के लिए भी आखिरी तारीख 31 मार्च 2024 है।

टैक्सपेयर्स को 31 मार्च 2024 तक 194एम या 194 आईए को भी भरना है।

अगले लॉन्ग वीकेंड स्टॉक मार्केट रहेगा बंद

बता दें कि गुड फ्राइडे के दिन शेयर बाजार और बैंक बंद रहेंगे। स्टॉक मार्केट 30 और 31 मार्च को भी बंद रहेंगे। बैंक भी 31 मार्च 2024 रविवार को बंद रहेगा पर 30 मार्च (शनिवार) को खुला रहेगा। 30 मार्च 2024 पांचवा शनिवार है इस वजह से बैंक खुले रहेंगे।

जन्मदिन, शादी पर मिले गिफ्ट पर भी देना होता है टैक्स, जानें क्या है इन्कम टैक्स का नियम

परिवहन विशेष न्यूज

शादी बर्थडे या फिर सालगिरह जैसे समारोह पर गिफ्ट मिलते हैं। इन गिफ्ट को लेकर कई लोगों के मन में सवाल होता है कि क्या इन तोहफे पर भी टैक्स लगता है? इस आर्टिकल में जानते हैं कि हमें जो गिफ्ट मिलता है उस पर कितना टैक्स लगता है और इसको लेकर आयकर विभाग के क्या नियम हैं।

नई दिल्ली। शादी, बर्थडे या फिर सालगिरह जैसे समारोह पर दोस्त रिश्तेदार गिफ्ट में कैश, ज्वैलरी, प्रॉपर्टी, व्हीकल देते हैं। क्या इन गिफ्ट पर भी टैक्स लगता है? टैक्स को लेकर कई लोगों के मन में यह सवाल आता है।

आइए, इस आर्टिकल में जानते हैं कि आयकर विभाग द्वारा गिफ्ट टैक्स (Gift Tax) को लेकर क्या नियम बनाए गए हैं।

क्या है गिफ्ट की कैटेगरी

आपको बता दें कि गिफ्ट को भी कैटेगरी में बांटा गया है।

मॉनिटर गिफ्ट में कैश, चेक, ड्राफ्ट, यूपीआई पेमेंट और बैंक ट्रांसफर शामिल होते हैं।

अचल संपत्ति में जमीन, घर, दुकान, फ्लैट और कमर्शियल प्रॉपर्टी आते हैं।

चल संपत्ति के अंदर पेंटिंग, शेयर, बॉन्ड्स, कॉइन, ज्वैलरी आदि सब आते हैं।

क्या गिफ्ट पर लगता है टैक्स?

शादी पर मिलने वाले गिफ्ट पर किसी तरह का टैक्स नहीं लगता है। बता दें कि ये नियम दूल्हा-दुल्हन की माता-पिता या परिजनों को मिलने वाले गिफ्ट पर लागू नहीं होता है।

इनके अलावा वसीयत (Will) में जो गिफ्ट मिलते हैं या फिर मॉनेटरी गिफ्ट और प्रॉपर्टी पर भी कोई टैक्स नहीं देना होता है।

आयकर अधिनियम 1961 के तहत एक वित्त वर्ष में 50,000 रुपये तक के गिफ्ट पर किसी तरह का टैक्स नहीं लगता है। हालांकि, इन सभी गिफ्ट्स की जानकारी टैक्सपेयर्स को रिटर्न (ITR) फाइल करते समय देनी होती है।

बर्थडे या फिर किसी दूसरे मौके पर मिलने वाले गिफ्ट को इनकम फ्रॉम अदर सोर्स माना जाता है। अगर गिफ्ट 50,000 रुपये से महंगा होता है तब सभी गिफ्ट के प्राइस को टोटल करके फिर टैक्स स्लैब के अनुसार उस पर टैक्स लगता है।

गिफ्ट से होने वाली इनकम पर क्या टैक्स लगता है?

अगर गिफ्ट में मिली प्रॉपर्टी को किराए पर देते हैं। इससे होने वाली इनकम पर टैक्स देना होगा। इसके अलावा अगर गिफ्ट में एफडी (FD) जैसे स्कीम मिलते हैं तो उस पर मिलने वाला ब्याज एक तरह से इनकम होता है।

इस तरह के इनकम पर भी टैक्स लगता है। हालांकि, रिटर्न फाइल करते समय टैक्सपेयर्स इन इनकम पर टैक्स बेनिफिट (Tax Benefit) के लिए क्लेम कर सकता है।

गिफ्ट पर नुकसान पर क्या मिलता है टैक्स बेनिफिट का क्लेम

गिफ्ट में मिली राशि का इस्तेमाल बिजनेस के लिए किया जाता है और बिजनेस में नुकसान हो जाता है तो वह उस नुकसान के लिए भी इनकम टैक्स में क्लेम कर सकता है।

ऐसे समझिए कि अगर किसी को गिफ्ट के तौर पर 5 लाख रुपये का चेक मिलता है और वह इस राशि का इस्तेमाल बिजनेस शुरू करने के लिए करता है।

उस बिजनेस में 2 लाख रुपये का नुकसान हो जाता है तो वह इनकम टैक्स रिटर्न (Income Tax Rule) फाइल करते समय 1 लाख रुपये तक का क्लेम कर सकता है।

इनसाइड

दस्तावेज़ों के बिना कैसे मिलेगा ऑनलाइन इंस्टेंट पर्सनल लोन

आज की भाग-दौड़ भरी दुनिया में इलाज की ज़रूरत या घर की मरम्मत जैसे अचानक सामने आने वाले खर्चों को पूरा करने के लिए तुरंत फंड प्राप्त करने की सुविधा काफी मायने रखती है। टेक्नोलॉजी के आने के बाद से छोटी रकम का इंस्टेंट लोन प्राप्त करना पहले से कहीं ज़्यादा आसान हो गया है। तुरंत फंड की ज़रूरत पड़ने पर बजाज फाइनैंस इंस्टा पर्सनल लोन सबसे बेहतर विकल्प है।

नई दिल्ली। पारंपरिक तौर पर मिलने वाले लोन की तुलना में इंस्टेंट पर्सनल लोन कई तरीकों से फायदेमंद है। बेहद कम समय में मिलने वाले ये लोन काफी सुविधाजनक हैं, जिनके लिए कम-से-कम दस्तावेज़ों की ज़रूरत होती है। आज की भाग-दौड़ भरी दुनिया में, इलाज की ज़रूरत या घर की मरम्मत जैसे अचानक सामने आने वाले खर्चों को पूरा करने के लिए तुरंत फंड प्राप्त करने की सुविधा काफी मायने रखती है। टेक्नोलॉजी के आने के बाद से, छोटी रकम का इंस्टेंट लोन प्राप्त करना पहले से कहीं ज़्यादा आसान हो गया है। तुरंत फंड की ज़रूरत पड़ने पर बजाज फाइनैंस इंस्टा पर्सनल लोन सबसे बेहतर विकल्प है। हमारे चुनिंदा ग्राहक कागजी कार्रवाई के बिना सिर्फ 30 मिनट* में लोन की रकम प्राप्त कर सकते हैं, इसलिए अगर आप छोटी रकम का इंस्टेंट लोन लेना चाहते हैं, तो यह काफी अच्छा विकल्प है।

स्मॉल और मिड कैप ने पिछले 12 माह के दौरान लार्ज कैप से किया बेहतर प्रदर्शन, 50 प्रतिशत तक अधिक रहा रिटर्न

परिवहन विशेष न्यूज

मिड और स्मॉल कैप में उछाल कमाई में शानदार ग्रोथ के कारण आया है। 2018 के बाद से कमाई में वृद्धि सालाना 30 प्रतिशत और 37 प्रतिशत बढ़ी है। वहीं लार्ज कैप की कमाई में वृद्धि सालाना 16 प्रतिशत रही है। मिड और स्मॉल कैप की तेजी को किसी तरह की खामी के बजाए कमजोर प्रदर्शन के बाद प्रदर्शन में सुधार के तौर पर देखा जाना चाहिए।

नई दिल्ली। हाल में गिरावट के बावजूद स्मॉल और मिडकैप ने पिछले 12 माह में लार्ज कैप की तुलना में बेहतर प्रदर्शन किया है। इस अवधि में स्मॉल और मिडकैप रिटर्न लार्ज कैप से 50 प्रतिशत तक अधिक रहा है। ब्रोकिंग फर्म आनंद राठी शेयर एंड स्टाक ब्रोकर्स का कहना है कि मिड और स्मॉल कैप सूचकांक के लिए हमारी राय सकारात्मक है। ब्रोकिंग फर्म के अनुसार, लार्ज कैप की तुलना में मिड और स्मॉल कैप का शानदार प्रदर्शन पहले भी देखा गया है। खास कर 2014 से 2017 की अवधि में।

शानदार बढ़त के पीछे यह है वजह

मिड और स्मॉल कैप में पिछले 12 माह के दौरान शानदार बढ़त की वजह 2018-19 की अवधि में कमजोर प्रदर्शन के स्तर से आया उछाल है। 2022 में भी मिड और स्मॉल कैप का प्रदर्शन कमजोर रहा था। मिड और स्मॉल कैप की तेजी को किसी तरह की खामी के बजाए कमजोर प्रदर्शन के बाद प्रदर्शन में सुधार के तौर पर देखा जाना चाहिए।

मिड और स्मॉल कैप में उछाल कमाई में शानदार ग्रोथ के कारण आया है। 2018 के बाद से कमाई में वृद्धि सालाना 30 प्रतिशत और 37 प्रतिशत बढ़ी है। वहीं लार्ज कैप की कमाई में वृद्धि सालाना 16 प्रतिशत रही है।

बाजार में बड़ी गिरावट की आशंका नहीं

बाजार में गिरावट की संभावना पर ब्रोकरेज का कहना है कि कम अवधि के लिए बाजार में छोटी गिरावट आ सकती है लेकिन बाजार में किसी बड़ी गिरावट की कोई खास वजह नहीं दिखती है। इक्विटी में विदेशी संस्थागत निवेशकों और म्यूचुअल फंड दोनों की ओर से निवेश का प्रवाह मजबूत बना हुआ है। बाजार के विशेषज्ञों द्वारा उठाए गए कुछ कदमों और बयानों ने बाजार की धारणा को नकारात्मक तौर पर प्रभावित किया है।

लार्ज कैपः लार्ज कैप कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 20,000 करोड़ रुपये या इससे अधिक होता है।

मिड कैपः मिड कैप कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 20,000 करोड़ रुपये से 5,000 करोड़ रुपये के बीच होता है।

स्मॉल कैपः स्मॉल कैप कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 5,000 करोड़ रुपये से कम होता है।

बड़ी कंपनियों में खरीदारी की वजह से गिरावट से उबर कर बढ़त पर बंद हुए बाजर

रिलायंस इंडस्ट्रीज, आटीसी और एसबीआई जैसी बड़ी कंपनियों में खरीदारी और मजबूत वैश्विक रुझानों की वजह से बुधवार को घरेलू शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद हुए। बीएसई का प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स 89.64 की बढ़त के साथ 72,101 अंक पर बंद हुआ। एनएसई का निफ्टी भी 21.65 अंक बढ़ कर 21,839 पर बंद हुआ। विश्लेषकों का कहना है कि वैश्विक बाजारों में सकारात्मक रुझानों और मजबूत प्रत्यक्ष कर संग्रह की वजह से भारतीय बाजार गिरावट से उबर कर बढ़त के साथ बंद हुए।

एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार मंगलवार को विदेशी संस्थागत निवेशकों ने 1,421.48 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर खरीदे। वहीं कुल प्रत्यक्ष कर संग्रह 17 मार्च 19.88 प्रतिशत बढ़ कर 18.90 लाख करोड़ से अधिक रहा है। मंगलवार को सेंसेक्स 736.37 अंक की गिरावट के साथ 72,012.05 पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी भी 238.25 अंक की गिरावट 21,817.45 पर बंद हुआ था।

पीएफ खाते में कितनी बार अपडेट कर सकते हैं नाम, जन्मतिथि और दूसरी जानकारी; जानिए सबकुछ

कर्मचारियों के सुरक्षित भविष्य के लिए सरकार ईपीएफ योजना संचालित करती है। इस फंड को कर्मचारी पीएफ अकाउंट के जरिए मैनेज कर सकते हैं। अगर पीएफ अकाउंट में कुछ भी जानकारी गलत हो तो कर्मचारी जरूरत पढ़ने पर अपने अकाउंट से पैसा नहीं निकाल सकते हैं। यहां हम आपको बताएंगे कि आप कौन-कौन से जानकारी कितनी बार अपडेट कर सकते हैं।

नई दिल्ली। कर्मचारियों के रिटायरमेंट को आर्थिक रूप से सुरक्षित करने के लिए सरकार ने कर्मचारी प्रोविडेंड फंड (EPF) योजना चलती है। इसमें हर महीने कर्मचारी और कंपनी बराबर राशि जमा करते हैं। सरकार इस राशि पर हर साल ब्याज देती है। कर्मचारी जरूरत पड़ने पर अपने पीएफ में जमा राशि को निकाल भी सकते हैं। कई बार पीएफ अकाउंट में गलत जानकारी जैसे - नाम की गलत स्पेलिंग, डेट ऑफ बर्थ या दूसरी जानकारी अनजाने में गलत हो जाए तो पीएफ से पैसा निकालने में परेशानी हो सकती है। ऐसे में इसमें बदलाव किया जा सकता है। आज हम आपको बताएंगे कि पीएफ अकाउंट में आप अपनी जानकारी कितनी बार अपडेट कर सकते हैं। कर्मचारी अपने एंप्लॉयमेंट के दौरान पीएफ अकाउंट में 11 तरीके की इंफॉर्मेशन अपडेट कर सकता है। यहां हम आपको बता रहे हैं कि कौन सी जानकारी कितनी बार अपडेट की जा सकती है। पीएफ अकाउंट की जानकारी में अपडेट के लिए जारी लेटेस्ट एसओपी के मुताबिक कर्मचारी सिंगल या ज्वॉइंट डिक्लेरेशन के लिए एक दिन में 5 बदलाव कर सकता है। अगर पांच से ज्यादा बदलाव करते हैं तो इसका निरीक्षण OIC द्वारा किया जाता है। मैटरनल स्टेटस को छोड़कर सभी जानकारी सिर्फ एक बार अपडेट की जा सकती है। ऐसे में ध्यान से इसे भरे।

बजाज फाइनैंस फिक्स्ड डिपॉजिट: सुरक्षित, सुविधाजनक और ज्यादा रिटर्न वाले निवेश का एक स्मार्ट तरीका

परिवहन विशेष न्यूज

फिक्स्ड डिपॉजिट निवेश का एक तरीका है जिसमें आप किसी वित्तीय संस्थान में एक निश्चित समय के लिए रकम डिपॉजिट करते हैं। इसके बदले में आपको ब्याज़ दर से होने वाली आमदनी की गारंटी मिलती है जो निवेश की पूरी समय-सीमा के दौरान स्थिर बनी रहती है। निवेश की समय-सीमा पूरी होने पर आपको डिपॉजिट की गई रकम के साथ-साथ उस पर एकत्रित ब्याज़ भी मिलता है।

नई दिल्ली। आज के समय में आर्थिक परिस्थिति कब बदल जाए, कुछ कहा नहीं जा सकता। लिहाजा अपनी जमा-पूंजी को बढ़ाने के लिए सुरक्षित और भरोसेमंद तरीके ढूंढना बेहद जरूरी है।

फिक्स्ड डिपॉजिट (FDs) भी ऐसा ही एक साधन है, जो अपने निवेश में स्थिरता के साथ-साथ उसे बढ़ाने की चाहत रखने वाले लोगों के लिए हर कसौटी पर खरा उतरता है। इनमें से बजाज फाइनैंस फिक्स्ड डिपॉजिट सबसे अलग है, जिसने सहूलियत, सुरक्षा और बेहतरीन रिटर्न के शानदार तालमेल के लिए अपनी पहचान बनाई है।

फिक्स्ड डिपॉजिट (FD) क्या है?

फिक्स्ड डिपॉजिट निवेश का एक तरीका है, जिसमें आप किसी वित्तीय संस्थान में एक निश्चित समय के लिए रकम डिपॉजिट करते हैं।

इसके बदले में आपको ब्याज़ दर से होने वाली आमदनी की गारंटी मिलती है, जो निवेश की पूरी समय-सीमा के दौरान स्थिर बनी रहती है। निवेश की समय-सीमा पूरी होने पर, आपको डिपॉजिट की गई रकम के साथ-साथ उस पर एकत्रित ब्याज़ भी मिलता है।

पेश है बजाज फाइनैंस डिजिटल FD

बजाज फाइनैंस ने हाल ही में 'डिजिटल FD' के नाम से एक नए तरह के FD की शुरुआत की है, जिसके लिए 42 महीने की समय-सीमा तय की गई है। इस FD के कुछ अनोखे फायदे इस प्रकार हैं:

पूरी तरह से ऑनलाइन प्रक्रिया: FD खोलने से लेकर उसके प्रबंधन तक की पूरी प्रक्रिया, बजाज फिनसर्व वेबसाइट या ऐप के ज़रिये डिजिटल तरीके से की जा सकती है।

बेहतर ब्याज़ दरें: डिजिटल FD सालाना 8.85% तक की अधिकतम ब्याज़ दरों में से एक का फायदा देता है।

बजाज फाइनैंस फिक्स्ड डिपॉजिट क्यों चुनें?

हिफाज़त एवं सुरक्षा: बजाज फाइनैंस FD को CRISIL और ICRA जैसी एजेंसियों से अव्वल दर्जे की AAA रेटिंग प्राप्त है। इसका मतलब यह है कि आपका निवेश पूरी तरह सुरक्षित है।

आकर्षक रिटर्न: बजाज फाइनैंस की बेहतर ब्याज़ दरों के साथ ज्यादा रिटर्न कमाएँ। बजाज फाइनैंस वरिष्ठ नागरिकों के लिए सालाना 8.85% तक और 60 साल से कम उम्र के ग्राहकों के लिए सालाना 8.60% तक की ब्याज़ दर प्रदान करता है। यह सामान्य तौर पर सेविंग्स अकाउंट से आपको मिलने वाली रकम से कहीं ज्यादा होता है।

सहूलियत: बजाज फाइनैंस आपको अपनी सहूलियत के अनुसार 12 से 60 महीने तक की समय-सीमा के लिए फिक्स्ड डिपॉजिट का विकल्प देता है। चाहे आप कम समय में मुनाफा कमाने के बारे में सोच रहे हों, या फिर लंबे समय के आर्थिक लक्ष्यों की योजना बना रहे हों, बजाज फाइनैंस निवेश के लिए अलग-अलग समय-सीमा का विकल्प देता है, जो कई तरह की आर्थिक योजनाओं के अनुरूप हो सकते हैं।

निवेश के सुविधाजनक विकल्प: अब बजाज फिनसर्व वेबसाइट या ऐप के ज़रिये कहीं से भी अपना फिक्स्ड डिपॉजिट बुक करें, उसे प्रबंधित करें और उस पर नज़र रखें।

वरिष्ठ नागरिकों के लिए अतिरिक्त फायदे: वरिष्ठ नागरिक सामान्य FD पर 0.25% तक की अतिरिक्त दर (बेस रेट से अधिक) का लाभ उठा सकते हैं। फिक्स्ड डिपॉजिट आपकी आर्थिक योजना में किस तरह मददगार है

इमरजेंसी फंड बनाने में सहायक: FDs मुसीबत के समय काम आने वाली बचत के एक हिस्से को जमा करने का सबसे सुरक्षित साधन है। FD के लिए कम समय का विकल्प चुनें और जरूरत पड़ने पर रकम प्राप्त करने के लिए, समय से पहले निकासी पर लगने वाले शुल्क को अच्छी तरह समझ लें।

कम समय के लक्ष्यों के लिए बचत: FD के साथ अपनी जमा-पूंजी को लगातार बढ़ाकर, हॉलीडे पर जाने या डाउन-पेमेंट जैसे लक्ष्यों को तेजी से पूरा करें।

लंबे समय की आर्थिक योजना: रिटायरमेंट की योजना बनाने में भी FDs की भूमिका बेहद अहम होती है, जो आपकी जमा-पूंजी के एक हिस्से को सुरक्षित रखते हुए उसमें गारंटी के साथ बढ़ोतरी करती है।

नियमित आय के विकल्प: कुछ वित्तीय संस्थान अपनी FD पर समय-समय पर भुगतान पाने का विकल्प (मासिक, तिमाही, छमाही या सालाना) प्रदान करते हैं, जो आमदनी के नियमित स्रोत की तरह काम करता है और यह खास तौर पर रिटायर हो चुके लोगों के लिए बेहद उपयोगी है।

निष्कर्ष

बजाज फाइनैंस फिक्स्ड डिपॉजिट निवेशकों को सुरक्षा, शानदार रिटर्न और सुविधाजनक फीचर्स का एक स्मार्ट संतुलन प्रदान करता है। उनका ध्यान बेहतर ब्याज़ दरों और आसान ऑनलाइन विकल्पों के साथ-साथ आपकी जमा-पूंजी की सुरक्षा पर है, और इसी वजह से यह लगातार आगे बढ़ने की चाह रखने वाले निवेशकों के लिए सबसे अच्छा विकल्प बन गया है।

दिल्ली की इन 6 सड़कों पर रोजाना जाम से जूझते हैं लोग

जहां पहले 5 मिनट लगते थे वहां अब लग रहे 40 मिनट

भलस्वा से स्वरूप नगर तक करीब दो किलोमीटर तक लग जाता है लंबा जाम, बैरिकेड्स भी बन रहे जाम की वजह

परिवहन विशेष न्यूज

दिल्ली की छह सड़कों पर रोजाना लोगों को जाम की समस्या से जूझना पड़ रहा है। इनमें बादली मोड़ रोहिणी जेल रोड मोड़ रिठाला व जीटी करनाल रोड पर सबसे अधिक परेशानी हो रही है। कहीं बोटलनेक अतक्रिमण तो कहीं बैरिकेड्स के कारण सड़कों पर जाम लग रहा है। इस जाम में एंबुलेंस व फायर की गाड़ियां भी फंसती हैं।

दिल्ली। बाहरी दिल्ली की छह सड़कों पर लगने वाले जाम से वाहन चालक खासे परेशान हैं। लोग जाम से निजात के लिए कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। कई बार इस जाम में आपातकालीन वाहन एंबुलेंस व फायर गाड़ियां भी जाम में फंसी रहती हैं।

मरीज समय पर अस्पताल तक नहीं पहुंच पाते हैं। सुबह व शाम के समय इन सड़कों पर गाड़ियों का काफी दबाव रहता है। जिससे काफी समय तक जाम में जूझते रहते हैं।

क्या है जाम का मुख्य कारण?

जीटी करनाल हाई-वे किसानों के दिल्ली कूच के एलान को देखते हुए, दिल्ली पुलिस ने भलस्वा लैंडफिल साइट के पास बीते 14 फरवरी को जीटी करनाल हाई-वे पर लोहे व सीमेंट के बैरिकेड्स लगाए थे। जो अभी तक लगे हुए हैं।

यहां दो लेन बंद होने से सिंघु से मुकरबा चौक की ओर आने वाले वाहनों की रफ्तार की यहां आते ही थम जाती है। सुबह व शाम यहां भलस्वा से स्वरूप नगर तक करीब दो किलोमीटर तक लंबा जाम लग जाता है।

पहले यह दूरी चार से पांच मिनट में वाहन चालक तय कर लेते थे, अब 20 से 30 मिनट लग रहा है। दिल्ली पुलिस के अधिकारी का कहना है कि दो लेन से वाहनों निकल रहे हैं, आगे जैसा निर्देश मिलेगा, हम इसपर काम करेंगे। यहां जाम न लगे यातायात पुलिस की तैनाती की गई है।

बोटल नेक से लगता है जाम

हैदपुर बादली मोड़ बाहरी रिंग रोड पर हैदरपुर बादली मोड़ के पास बोटल नेक होने के कारण यहां छह लेन का यातायात चार लेन में सीमटने से जाम लग जाता है। यहां रेलवे पुल की चौड़ाई कम होने से जाम की समस्या बनी हुई है।

इस जाम में रोजाना सैकड़ों वाहन फंसे रहते हैं। पीतमपुरा की ओर से एलिवेटेड रोड से बिना रूके आने वाले वाहन यहां आते ही जाम में फंस जाते हैं। इस रोड के दोनों तरफ कई किलोमीटर तक जाम लग जाता है।

इस जाम से निजात के लिए रेलवे पुल की चौड़ाई जरूरी है। इसके लिए

पीडब्ल्यूडी व रेलवे के बीच कई दौड़ की बैठक भी हो चुकी है। पीडब्ल्यूडी के एक अधिकारी ने बताया कि उम्मीद है आगामी बैठक में आपसी सहमति बनने पर जल्द इस पुल की चौड़ाई बढ़ाई जा सकती है।

मेट्रो निर्णाम कार्य से सड़क की चौड़ाई हुई कम

बाहरी रिंग रोड मेट्रो के निर्माण कार्य के वजह से प्रशांत विहार से रोहिणी जेल मोड़ तक लोग जाम फंस रहे हैं। करीब तीन किलोमीटर का सफर लोग करीब 30 से 40 मिनट में तय कर रहे हैं, जबकि पहले पांच से सात मिनट का समय लगता था।

मेट्रो निर्माण की वजह से तीन लेन की सड़क अब डेढ लेन की ही रह गई है। वहीं, केएन काटजू मार्ग से आने वाले वाहन बाहरी रिंग रोड पर आते ही जाम में फंस रहे हैं। निर्माण स्थल पर धूल भी काफी उड़ रही है। इसके अलावा रिठाला मेट्रो स्टेशन के नीचे बेतरतीब खड़े ई-रिक्शा व अन्य वाहनों के कारण लोग जाम में फंस रहे हैं।

इन जगहों पर भी लगता है जाम

रोहिणी हेलीपोर्ट पर यू-टर्न के पास

मंगोलपुरी व पीरागढ़ी के बीच बोटल नेक के कारण भयंकर जाम लगता है

सुल्तानपुरी बस टर्मिनल पर अतक्रिमण के कारण जाम

सिंघु बॉर्डर पर बैरिकेड्स होने के कारण लोग जाम में फंस रहे हैं

बवाना रोड़ पर पूठखुर्द गांव के पास रोड की चौड़ाई कम होने से लगता है जाम

शाहबाद डेरी बवाना रोड पर शाहबाद डेरी के पास जाम में फंसे रहते हैं लोग

क्या बोले लोग?

रोहिणी सेक्टर-25 से रोजाना आजादपुर मंडी जाता हूं। रोज सुबह बादली-हैदरपुर मोड़ पर 20 से 25 मिनट जाम में फंसा रहता हूं। यहां रेलवे पुल की चौड़ाई बढाने की मांग कर रहे हैं।

-निशांत गुलाटी

रिठाला मेट्रो स्टेशन के नीचे ई-रिक्शा चालकों ने अतक्रिमण किया हुआ है। जिससे वाहनों की रफ्तार यहां आते ही थम जाती है। जिससे कई बार लंबा जाम लग जाता है। एंबुलेंस व अन्य गाड़ियां फंसी रहती है।

-मनोज कुमार

रोहिणी सेक्टर-21 से पूठखुर्द स्थित अपने कार्यालय रोजाना जाता हूं। आते व जाते समय यहां पूठखुर्द गांव के पास जाम में फंसता हूं। पास में ही एक सरकारी अस्पताल है, मरीज भी जाम में फंसे रहते हैं।

-मोहम्मद मिनहाज

पूजा कितने प्रकार से की जाये?

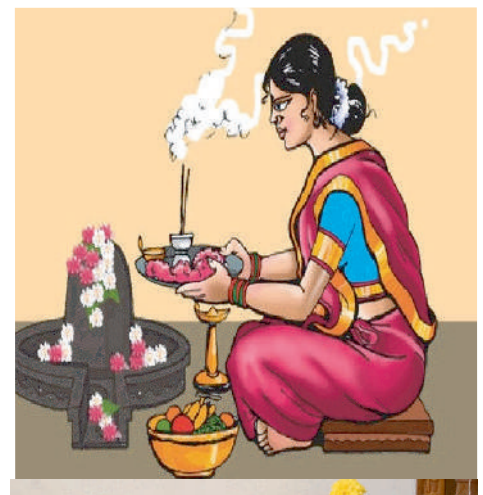

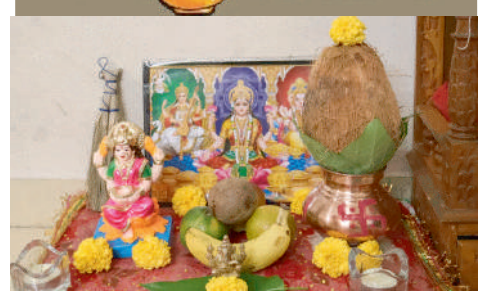

परिवहन विशेष न्यूज

अष्टादशोपचार पूजन

आसनं स्वागतं पाद्यमर्घ्यमाचमनीयकम् ।स्नानं वस्त्रोपवीतञ्च भूषणानि च सर्वशः ॥गन्धं पुष्पं तथा धूपं दीपमन्नञ्च दर्पणम्-माल्यानुलेपनञ्चैव नमस्कारविसर्जने अष्टादशोपचारैस्तु मन्त्री पूजां समाचरेत्॥ आसन, स्वागत, पाद्य, अर्घ्य, आचमन, स्नान, वस्त्र, उपवीत (यज्ञोपवीत), सभी प्रकार के आभूषण, गन्ध, पुष्प, धूप, दीप, नैवेद्य, दर्पण, माला तथा सुगन्धित लेपन, नमस्कार तथा विसर्जन।

षोडशोपचार पूजन

पाद्यमर्घ्यं तथाचामं स्नानं वसनभूषणे गन्धपुष्पधूपदीपनैवेद्याचमनं ततः॥ ताम्बूलमर्चनास्तोत्रं दर्पणञ्च नमस्क्रिया ।प्रयोजयेत्प्रपूजायामुपचारास्तु षोडश।। पपाद्य, अर्घ्य, आचमन, स्नान, वस्त्र, भूषण, गन्ध, पुष्प, धूप, दीप, नैवेद्य, आचमन (नैवेद्य के उपरान्त का आचमन), ताम्बूल, अर्चना, स्तोत्र, पाठ, दर्पण-प्रदर्शन, नमस्कार।

शिव षोडशोपचार पूजन

आसनं पाद्यमर्घ्यंच ततोऽन्वाचमनीयकम्।मधुपर्कः स्नानजलं वस्त्रं भूषणचन्दने॥ पुष्पं धूपञ्च दीपञ्च नेत्राञ्जनमतःपरम्। नैवेद्याचमनीये तु प्रदक्षिणनमस्कृतिः। एते षोड़श निर्दिष्टा उपचाराः शिवार्चने।। आसन, पाद्य, अर्घ्य, आचमन, मधुपर्क, स्नानजल, वस्त्र तथा उत्तरीय, भूषण, गन्ध, पुष्प, धूप, दीप, नेत्रों का अञ्जन, नैवेद्य, आचमन (नैवेद्य के पश्चात आचमन), प्रदक्षिणा, नमस्कार।

वैष्णोपचार पूजन

आसनं स्वागतं पाद्यमर्घ्यमाचमनीयकम्।इत्याञ्जनेन रहितमुपचारन्तु षोड़शम्॥ अञ्जनरहित आसन, स्वागत, पाद्य, अर्घ्य, आचमन-प्रभृति ।

दशोपचार पूजन

पाद्यमर्घ्यं तथाचामं मधुपर्काचमनं तथा ।गन्धाद्याः नैवेद्यान्ता उपचारा दश क्रमात्॥ पाद्य, अर्घ्य, आचमन, मधुपर्क, आचमन, गन्ध, पुष्प, धूप, दीप तथा नैवेद्य।

पञ्चोपचार पूजन

गन्धं पुष्पं तथा धूपं दीपं नैवेद्यमेव च ।पञ्चोपचारमुद्दिष्टं मुनिभिस्तन्त्रवेदिभिः ।अभावे गन्धपुष्पाद्या तदभावे तु भक्तितः॥ तन्त्रज्ञाता मुनिगण गन्ध, पुष्प, धूप, दीप तथा नैवेद्य, पञ्चोपचार के अभाव में गन्ध, पुष्प द्वारा अथवा इन दोनों के भी अभाव में मात्र भक्ति द्वारा भी पूजा विहित है।

'कांग्रेस-आप के गठबंधन से नहीं होगा कोई असर....

पूर्व विदेश मंत्री स्वर्गीय सुषमा स्वराज की बेटी बांसुरी स्वराज भाजपा की ओर से नई दिल्ली लोकसभा सीट से मैदान में हैं। उन्होंने बताया कि दिल्ली की सातों सीटों पर कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (AAP) के गठबंधन से भाजपा को कई नुकसान नहीं होने वाला है। दोनों पार्टियां गठबंधन में अपना-अपना हित है। भाजपा इस बार दिल्ली की सभी सीटों पर जीत दर्ज करेगी

नई दिल्ली। पूर्व विदेश मंत्री स्वर्गीय सुषमा स्वराज की बेटी बांसुरी स्वराज भाजपा की ओर से नई दिल्ली लोकसभा सीट से मैदान में हैं। उन्होंने बताया कि दिल्ली की सातों सीटों पर कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (AAP) के गठबंधन से भाजपा को कई नुकसान नहीं होने वाला है। दोनों पार्टियां गठबंधन में अपना-अपना हित है। भाजपा इस बार दिल्ली की सभी सीटों पर जीत दर्ज करेगी।

बांसुरी यादव ने कहा कि अबकी बार 400 पार (इस बार, 400 से अधिक सीटें)₹ का नारा सिर्फ एक तकियाकलाम नहीं है, बल्कि एक संकल्प है। जिसे भाजपा कार्यकर्ताओं की मदद और का और जनता का समर्थन के साथ वास्तविकता में तब्दील किया जाएगा।

गठबंधन को कई असर नहीं

उन्होंने कहा कि आप-कांग्रेस गठबंधन का दिल्ली में कोई असर नहीं होगा। हम बहुत सकारात्मक अभियान चला रहे हैं, 10 साल का रिपोर्ट कार्ड लेकर लोगों के बीच जा रहे हैं।

मोदी सरकार ने पूरे किए वादे

बांसुरी स्वराज दिल्ली की नई दिल्ली लोकसभा सीट से चुनाव लड़ रही हैं। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार ने जो कहा, वह किया। घोषणापत्र में किए गए सभी वादे, चाहे वह अनुच्छेद 370 को हटाना हो, राम मंदिर का निर्माण हो या राज्य विधानसभाओं और संसद में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण के लिए कानून लाना हो, पूरे किए गए।

दिल्ली में दो महिला उम्मीदवार

वह दिल्ली में भाजपा द्वारा मैदान में उतारी गई दो महिला उम्मीदवारों में से एक हैं। पार्टी लगातार तीसरी बार राष्ट्रीय राजधानी की सभी सात सीटों पर क्लीन स्वीप करने की कोशिश कर रही है। स्वराज ने दावा किया कि आप-कांग्रेस गठबंधन स्वार्थ पर आधारित है।

नहीं टिक पाएगा गठबंधन

उन्होंने कहा कि जब स्वार्थ की राजनीति होती है, तो 'राष्ट्रधर्म' और 'राजधर्म' दोनों का त्याग कर दिया जाता है। इसलिए, यह गठबंधन टिक नहीं पाएगा।

आम आदमी पार्टी कांग्रेस के साथ सीट बंटवारे के समझौते के तहत नई दिल्ली लोकसभा सीट से चुनाव लड़ रही है। उसने इस सीट से सोमनाथ भारती को मैदान में उतारा है।

रहमत, मगफिरत और बरकतों का महीना हैं माहे रमजान : वरिष्ठ समाजसेवी मुसरफ खान

परिवहन विशेष न्यूज

अपील-माहे रमजान में ज़रूरतमंद गरीबों की मदद करनी चाहिए ताकि हमारी नेकियों में इजाफा हो सके: वरिष्ठ समाजसेवी मुसरफ खान

आगरा। माहे रमजान रहमत और बरकतों का महीना है। इस्लामिक कैलेंडर के मुताबिक साल का नौवां महीना रमजान का महीना होता है। इस पूरे महीने परवरदिगार के अनुयायी सूरज उगने से लेकर सूरज ढलने तक उपवास रखते हैं। भारत में रमज़ान 2024 का पवित्र महीना 12 मार्च को शुरू होगा और चार सप्ताह तक जारी रहेगा, जो 10 अप्रैल को ईद-उल-फितर के साथ समाप्त होगा।

इस अवसर पर सुप्रसिद्ध एवं लोकप्रिय वरिष्ठ समाजसेवी मुसरफ खान ने कहा कि माहे रमजान रहमत, मगफिरत और बरकतों का महीना है। यह हमेशा से एक बहुत ही अद्भुत महीना होता है। उपवास हमारे शरीर को नहीं, बल्कि हमारी आत्माओं को खिलाने से आगे बढ़ता है। माहे रमजान का सार विनम्र, सरल और दुर्भावना, क्रोध, नीचता और घृणा से मुक्त होना है। यह शांति, क्षमा और सुलह का महीना है। रमजान के महीने में जितना हो सके उतने नेक काम करने चाहिए, ताकि अल्लाह ऐसे में इस महीने में ज्यादा से ज्यादा गरीबों की मदद करनी चाहिए, ताकि आपकी नेकियों में इजाफा हो सके। इसके साथ ही अपनी आमदनी में से कुछ हिस्सा किसी गरीब, अनाथ या बेसहारा लोगों की मदद में लगाना चाहिए। आप किसी रोज़ेदार को इफ्तार भी करवा सकते हैं। इससे ईश्वर के साथ एक निजी संबंधों का अहसास देता है। मुझे उपवास के शुरुआती वर्षों की याद है, जब मेरी माँ हमें रमजान के बारे में अपने बचपन की कहानियाँ सुनाती थीं कि कैसे सूर्यास्त के समय मेरे दादाजी के खाने के लिए इंतजार करते थे। उपवास के महीने के अंत में, वह ईश्वर के नाम पर गरीबों को भोजन खिलाते थे। मेरी माँ कहती थी कि जब हम किसी को कोई चीज दान में दे रहे होते हैं, तो पहले वह ईश्वर के हाथ से होकर उसके हाथ में पहुंचती है और माहे रमजान में किए गए सभी अच्छे कामों का बाद के जीवन में कई गुना फल मिलता है। यह महीना पूरी तरह से अल्लाह की इबादत और नेक काम करने के लिए समर्पित माना जाता है। माहे रमजान में अल्लाह सबके गुनाह माफ कर देते हैं और व्यक्ति की हर मुराद पूरी होती है। लेकिन अक्सर देखा जाता है कि लोग छोटी-छोटी बातों को दिल से लगा लेते हैं लेकिन अगर आप रमजान के पाक महीने में अपना दिल साफ रखते हैं और लोगों को माफ कर देते हैं, तो इससे अल्लाह खुश होते हैं। इसलिए अपने मन में कभी भी बुरे ख्याल न लाएं और किसी की बुराई करें तथा इस पवित्र महीने अपने परिवार, पड़ोसी, दोस्त एवं ज़रूरतमंदो में भोजन को साझा करें, आपसी बंधनों को मजबूत करने और रमज़ान के आशीर्वाद का जश्न मनाने के लिए नेकी के कार्य बहुत जरूरी हैं।

श्री खान ने आगे कहा कि रमजान रहमत, मगफिरत और बरकतों का महीना है। आप रमजान के पाक महीने में कुछ कार्य करते हैं तो इससे आपको अपने जीवन में बरकत देखने को मिल सकती है। इस्लाम धर्म ग्रंथों में रमजान में रोजा रखने का विशेष महत्व बताया गया है। क्योंकि रमजान एक महीने तक चलने वाला आध्यात्मिक सफर है, जो हमें शारीरिक और नैतिक रूप से तरोताजा करने के लिए है। यह हमें गहन प्रार्थना, दान और आध्यात्मिक अनुशासन में अपना समय लगाने और अपने कर्मों, विचारों और कार्यों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए सांसारिक सुखों से अलग होने में सक्षम बनाता है लेकिन कभी-कभी हमें एहसास नहीं होता कि हमारा दिल कितना कठोर हो गया है। आत्म-चिंतन और चिंतन के किसी भी नियमित अभ्यास के अभाव ने हमें अपने आसपास के दुखों के प्रति असंवेदनशील बना दिया है। ईश्वरी खोज के बजाय भौतिकता की खोज हमारा लक्ष्य बनती जा रही हैं। लेकिन उपवास भौतिक पहलुओं से आगे बढ़ने और आध्यात्मिक की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है। जैसे - शिकायत करने से उपवास, दूसरों के बारे में बुरा सोचने से उपवास, असभ्य भाषा और कठोर भाषण से उपवास, यह उपवास खाने या पीने तक केंद्रित नहीं है। यह हमारी पवित्र आत्मा को मजबूत करता हैं। इसलिए हमें सदैव प्रयास करना चाहिए। क्योंकि माहे रमजान, हमें कई ऐसे अवसरों से नवाजा जाता है जब हम रोशनी भरे और समृद्ध अनुभवों से गुजरते हैं, जो जीवन और खुद को बेहतर समझने में मूल्यवान सबक प्रदान करते हैं। उपवास मानव जीवन की नाजुकता की याद दिलाता है और इसका उद्देश्य ईश्वर के साथ संबंध को बढ़ावा देना है। माहे रमजान हमें अनुशासित होना, गरीबों और ज़रूरतमंदो के प्रति हमदर्दी महसूस करना सिखाता हैं। उपवास हमें धैर्य, आत्म-संयम, आध्यात्मिकता, विनम्रता और ईश्वर के प्रति समर्पण के बारे में सिखाता है। आध्यात्मिक शक्ति के लिए उपवास का कार्य हमें न केवल हमारे खाने की आदतों के बारे में, बल्कि हमारे विचारों, व्यवहार और पूरे दिन के व्यवहार के बारे में सचेत करता है। रमजान हमें अपने धैर्य को बढ़ाने में मदद करता है, क्योंकि दिन भर उपभोग से परहेज करके, हम पल भर में अपनी प्रत्येक इच्छा को पूरा करने से परहेज करने का लाभ सीखते हैं। रमजान के दौरान प्रत्येक उपवास का दिन शरीर और हमारे आध्यात्मिक संकल्प पर एक परीक्षा है। अपनी दिनचर्या से नियमित सुख-सुविधाओं को हटाने का उद्देश्य मन को आध्यात्मिकता, प्रार्थना और दान पर केंद्रित करना है। उपवास करके, हम अपने व्यस्त, व्यस्त, भौतिकवादी जीवन के प्रलोभनों और विकर्षणों को दूर करते हैं और ईश्वरीय चेतना' प्राप्त करने का प्रयास करते हैं। माहे रमजान के इस पावन पर्व में हमारी प्रार्थना हैं कि रमजान हमारे दिल और दिमाग में प्रवेश करे और मानव जाति के सभी रंगों को गले लगाने के लिए प्रेरित करे, जितना संभव हो सके ग़रीब, ज़रूरतमंद की मदद करें तथा सभी के साथ अच्छा व्यवहार करें।

20 मार्च विश्व पखाल दिवस है, उडीशा में उत्छह

मनोरंजन सासमल, स्टेट हेड उडीशा

भुबनेश्वर : विश्व पाखल दिवस। प्रत्येक ओड़आि का आत्मा केन्द्र। - चावल में पानी मिला के थोड़ा सा दही मिलाएंगे और कच्ची मिर्च और अदरक डालें तो बन गई पाखाल । ओडिशा का पारंपरिक भोजन पखाल है। जो आनंद गहराई में पाया जा सकता है, वह शायद कहीं और नहीं मिल सकता। छोटे से लेकर बड़े तक, गरीब से लेकर अमीर तक, हर किसी की पसंदीदा डिश।खुली पेट पर पखाल पड़ने पर मन और शरीर को जो शांति मिलती है, वह कहीं और नहीं मिल सकती। ओडिशा में भगवान श्रि जगन्नाथ भी पाखाल खाते हैं, भक्त भी खाते हैं । उड़ीशा और उड़िया के भोजन की पसंद की सूची में पखाल का विशेष स्थान है। दुनिया के हर कोने में इस ओडिया पसंदीदा भोजन को लोकप्रिय बनाने के लिए 20 मार्च को ₹विश्व पखाल दिवस₹ के रूप में मनाया जा रहा है।

2015 से पखाल के प्रचार-प्रसार के लिए 20 मार्च को विश्व पखाल दिवस के रूप में मनाया जाता है। हालाँकि, इसे खाने से बहुत सारे फायदे होते हैं। यह शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है। इसके अलावा इसे खाने से और भी कई फायदे मिलते हैं ।इसे खाने पर अच्छी-सी निद होती है और ब्लड प्रेशर कंट्रोल करता है ।पाखाल को 7 दिन रखा जायेगा तो वों बन जायेगा हाडीआ , साथ ही काम करने की ऊर्जा भी बढ़ती है। आज के दिन होटल का रेस्टोरेंट पखाल पसारा से भरा रहता है ।

सिद्धू मूसेवाला के भाई का जन्म होते ही IVF पर उम्र सीमा 21 से 50 वर्ष ,तो 58 की उम्र में कैसे?

परिवहन विशेष। एस.डी.सेठी।

पिछले हफ्ते मृतक सिंगर सिद्धू मूसेवाला के परिवार में नन्हें बालक ने जन्म लिया। यह संभव हुआ IVF ट्रीटमेंट की वजह से। सिद्धू मूसेवाला की मां चरण कौर 58 साल की उम्र में दोबारा मां बनी। उन्होने बेटे को जन्म दिया। इस परिपक्व उम्र में मां-बाप यानि दंपत्ती मुसीबत में घिर गए हैं। बलकौर सिंह ने पंजाब सरकार पर आरोप लगाया था ,कि उनसे बच्चे की वैधता के बारे में पूछताछ कर रही है। अब सामने आया है कि केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने पंजाब सरकार से इस मामले में रिपोर्ट मांगी है ।रिपोर्ट में कहा गया है कि 58 साल की उम्र में चरण कौर IVF के माध्यम से बच्चे को जन्म कैसे दे सकती है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से लिखे गए पत्र में IVF के कानून का हवाला देकर कहा गया है कि एसिस्टेड रिप्रोडक्टिव टेक्नॉलिजी (रेगुलेशन) एक्ट 2021 के तहत इसके लिए निर्धारित की गई उम्र 21 से 50 साल है। जबकि मिली सूचना के मुताबिक चरण कौर ने 58 साल में IVF के माध्यम से बेटे को जन्म दिया है ।पत्र में कहा गया है कि पंजाब सरकार इस पर अपना जवाब मंत्रालय को भेजे। बता दें कि मंगलवार को बलकौर सिंह ने अपने इस्टाग्राम पेज पर एक विडियो जारी किया था। इसमें उन्होने पंजाब सीएम भगवंत मान सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा दो दिन पहले हमारे घर वाहेगुरू की कृपा से हमारा सिद्धू मूसेवाला वापस आया है। लेकिन मैं बहुत परेशान हूं। उन्होंने कहा कि मैने भगवंत मान से अनुरोध किया कि थोडा तरस खाओ ,कम से कम मेरी पत्नी का ट्रीटमेंट तो पूरा हो जाने दो। मेरे खिलाफ एफआईआर दर्ज करके मुझे जेल भेज सकते है ।सारे लीगल दस्तावेज दिखाकर बरी होकर निकलूंगा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095. newstransportvishesh@gmail.com
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। RNI No :- DELHIN/2023/86499. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023